दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

श्री कृष्णा जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

वर्ष 03, अंक 216 | ग्वालियर बुधवार 12 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

कोरोना अपडेट: भारत में 23 लाख 25 हजार से अधिक मामले

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 महामारी से संक्रमण की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को देश में 57 हजार से अधिक मामले आए। इसके साथ ही देश में कुल 23 लाख 25 हजार से अधिक मामले हो गए हैं। इसके साथ ही एक दिन में 54,208 से अधिक मरीज ठीक होकर लौटे हैं। देश में रिकवरी रेट में सुधार होता जा रहा है। मंगलवार को 832 लोगों की कोरोना संक्रमण से मृत्यु हुई है। कोविड19इंडिया के अनुसार, मंगलवार को देश में 57 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या 23 लाख 25 हजार से अधिक हो गई। हालांकि, देश में एक्टिव केस 6 लाख 42 हजार 520 हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो देश में रिकवरी रेट अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। देश में अब तक 16 लाख 35 हजार से अधिक लोग स्वस्थ हुए है। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल ही रहा है। यहां कुल 5 लाख 35 हजार 601 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार

को राज्य में 11,086 नए मामले सामने आए। 10,014 लोग स्वस्थ हुए और 256 लोगों की मौत हुई। तमिलनाडु में कुल 3 लाख 8 हजार 649 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार को 5,834 नए मामले सामने आए। 6,005 लोग स्वस्थ हुए और 118 लोगों की मौत हुई। आंध्र प्रदेश में कुल 2 लाख 44 हजार 549 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार को 9,024 नए मामले सामने आए। 9,113 लोग स्वस्थ हुए और 87 लोगों की मौत हुई। कर्नाटक में कुल 1 लाख 88 हजार 611 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार को 6,257 नए मामले सामने आए। 6,473 लोग स्वस्थ हुए और 86 लोगों की मौत हुई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुधार हुआ है। दिल्ली में कुल 1 लाख 47 हजार 391 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार को 1,257 नए मामले सामने आए। 727 लोग स्वस्थ हुए और 8 लोगों की मौत हुई। मध्यप्रदेश में कुल 40 हजार 734 मामले अब तक सामने आए हैं। मंगलवार को 843 नए मामले सामने आए। 922 लोग स्वस्थ हुए और 18 लोगों की मौत हुई है। इंदौर में सर्वाधिक 176 नए मामले सामने आए है। अब तक 8,900 मामले हुए हैं। मंगलवार को 40 लोग स्वस्थ हुए हैं। भोपाल में 100 नए मामले सामने आए है। अब तक 7,870 मामले हुए हैं। मंगलवार को 371 लोग स्वस्थ हुए और 6 लोगों की मौत हुई है। ग्वालियर में 89 नए मामले सामने आए है। अब तक 3,064 मामले हुए हैं। मंगलवार को 61 लोग स्वस्थ हुए और 1 की मौत हुई है। जबलपुर में 54 नए मामले सामने आए है। अब तक 1,939 मामले हुए हैं। मंगलवार को 50 लोग स्वस्थ हुए और 2 लोगों की मौत हुई है। मुरैना में 7 नए मामले सामने आए है। अब तक 1,814 मामले हुए हैं। मंगलवार को 23 लोग स्वस्थ हुए है। उज्जैन में 12 नए मामले सामने आए है। अब तक 1,341 मामले हुए हैं। मंगलवार को 26 लोग स्वस्थ हुए है। प्रदेश के अन्य जिलों में स्थिति नियंत्रण में है।

पीएम मोदी ने की मुख्यमंत्रियों से चर्चा

10 राज्यों में रोक लिया संक्रमण तो देश जीत जाएगा कोरोना से जंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा कर कोरोना वायरस महामारी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित हैं। बता दें कि कोरोना महामारी ने जब से भारत में कदम रखा है तब से लेकर प्रधानमंत्री की राज्यों के साथ यह सातवीं बैठक है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शुरू हुई इस बैठक में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, बिहार, गुजरात, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल हैं। ये बैठक इसलिए महत्व रखती है कि ये सभी राज्य ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले हैं और इनमें कोरोना संक्रमित लोगों की अच्छी खासी तादाद है। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी राज्य कोविड-19 की वजह से उपजे चुनौतीपूर्ण हालातों से जंग लड़ रहा है। इस महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए हर राज्य की भूमिका बेहद अहम है, कोरोना से लडने में सबका जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें अब जांच, रिकवरी रेट बढ़ाने की रणनीति पर काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग सही दिशा में है। कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 72 घंटे के आसपास की रणनीति पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि 72 घंटे में संक्रमण की पहचान जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के 80 फीसदी सक्रिय मामले 10 राज्यों में हैं, इन राज्यों में कोरोना को हराने से देश यह जंग जीत जाएगा प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन राज्यों में कोरोना की जांच की दर कम है और जहां पॉजिटिविटी रेट ज्यादा है, वहां जांच की क्षमता बढ़ाने की जरूरत सामने आई है। खासतौर पर बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में जांच बढ़ाने पर खास बल देने की बात इस समीक्षा में निकली है। उन्होंने कहा कि आज देश के 80 फीसदी सक्रिय मामले इन दस राज्यों में हैं। इसलिए कोरोना के खिलाफ लड़ाई में इन सभी राज्यों की भूमिका बहुत बड़ी है। आज देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या छह लाख से ज्यादा हो चुकी है। इनमें से अधिकतर मामले हमारे इन दस राज्यों में ही हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस के निपटने के लिए आवश्यकताओं पर बात की है।

मशहूर शायर राहत इंदौरी का दिल का दौरा पड़ने से हुआ निधन

इंदौर। मशहूर शायर राहत इंदौरी का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को निधन हो गया। वे कोरोना वायरस से भी संक्रमित थे, जिसके उपचार के लिए उन्हें मध्य प्रदेश के इंदौर में 10 अगस्त की देर रात अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने खुद इसकी जानकारी भी दी थी। राहत इंदौरी ने ट्विटर पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा था, %कोविड के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर कल मेरा कोरोना टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ऑरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट हूं, दुआ कीजिये जल्द से जल्द इस बीमारी को हरा दूं। एक और इल्तेजा है, मुझे या घर के लोगों को फ़ोन ना करें, मेरी ख़ैरियत ट्विटर और फेसबुक पर आपको मिलती रहेगी। अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर ने बताया कि इंदौरी के दोनों फेफड़ों में निमोनिया है। सांस लेने में तकलीफ के चलते उन्हें ब्लड में रखा गया है और कृत्रिम ऑक्सीजन दी जा रही है। लेकिन अचानक उन्हें हृदयाघात हुआ और डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। राहत इंदौरी ने शाम 4 बजकर 40 मिनिट पर अंतिम सांस ली। राहत इंदौरी ने शुरुवाती दौर में इंद्रकुमार कॉलेज, इंदौर में उर्दू साहित्य का अध्यापन कार्य शुरू किया था। उनके छात्रों के मुताबिक वह कॉलेज के अच्छे व्याख्याता थे। फिर बीच में वो मुशायरों में व्यस्त हो गए और पूरे भारत से और विदेशों से निमंत्रण प्राप्त करना शुरू कर दिया। उनकी अनमोल क्षमता, कड़ी लगन और शब्दों की कला की एक विशिष्ट शैली थी जिसने बहुत जल्दी व बहुत अच्छी तरह से जनता के बीच लोकप्रिय बना दिया। राहत साहब ने बहुत जल्दी ही लोगों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बना लिया और तीन से चार साल के भीतर ही उनकी कविता की खुशबू ने उन्हें उर्दू साहित्य की दुनिया में एक प्रसिद्ध शायर बना दिया था।

सचिन पायलट जयपुर पहुंचे, कहा- नेताओं के बयानों से आहत हूं, नहीं की पद की मांग

जयपुर। राजस्थान में जारी सियासी संकट के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर जमकर निशाना साधा गया। कांग्रेस नेताओं की तरफ से पायलट पर विधायकों को तोड़ने और सरकार गिराने का आरोप लगाया गया। वहीं, इन आरोपों पर सचिन पायलट ने कहा कि वह इस तरह के बयानों से आहत हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने पार्टी से पद की कोई मांग नहीं की है। सचिन पायलट ने कहा, मुझे लेकर जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया गया, उससे मैं काफी दुखी हूं। मुझे लगता है कि हमें भूल जाना चाहिए कि क्या कहा गया था। राजनीति में बातचीत का स्तर बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी के भीतर व्यक्तिगत वैमनस्य की भावना नहीं होनी चाहिए। सभी को मुद्दों और नीति के आधार पर काम करना चाहिए। पायलट ने कहा, हमने पार्टी या पार्टी नेतृत्व के खिलाफ कभी कुछ नहीं बोला, ना ही कुछ किया। कई लोगों ने कई अफवाहें फैलाईं और कई सवाल उठाए, लेकिन हम उस स्टैंड पर कायम हैं, जो हमने 30 दिन पहले लिया था।

सुशांत सिंह राजपूत मौत मामला

रिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में रिया चक्रवर्ती की याचिका पर आज सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने सभी पक्षों को अपनी दलीलों पर संक्षिप्त नोट जमा करवाने को कहा है। केंद्र सरकार के वकील तुषार मेहता ने कहा कि सीआरपीसी 174 के तहत शुरू दुर्घटना में मौत की जांच बहुत कम समय तक चलती है। बॉडी देख कर और स्पॉट पर जाकर देखा जाता है कि मौत की वजह संदिग्ध है या नहीं। फिर एफआईआर दर्ज होती है। मुंबई पुलिस जो कर रही है, वह सही नहीं है। इससे पहले सुशांत सिंह राजपूत के पिता के वकील विकास सिंह ने कहा कि सुशांत को परिवार से दूर किया जा रहा था। पिता ने बार-बार पूछा कि मेरे बेटे का क्या इलाज हो रहा है? मुझे वहां आने दो। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मामले में कई पहलू जांच के लायक हैं। ऐसा लग रहा है कि गले पर निशान बेल्ट के थे। बॉडी को किसी ने पंखे से लटका हुआ नहीं देखा।

राहुल गांधी बोले मनरेगा और न्याय लागू करे सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अर्थव्यवस्था में सुधार लाने तथा कोरोना महामारी के कारण बेरोजगार होकर गांव लौटे लोगों के लिए मनरेगा योजना को जारी रखना जरूरी बताया और कहा कि इससे बेरोजगारी का दंश झेल रहे लोगों को राहत मिलेगी। गांधी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में रोजगार के लिए मनरेगा योजना को लागू रखने के साथ ही न्याय व्यवस्था को भी लागू किया जाना चाहिए ताकि बेरोजगारों को पयार्प्त मदद मिल सके। गांधी ने कहा, %शहर में बेरोज़गारी की मार से पीड़ितों के लिए मनरेगा जैसी योजना और देशभर के ग़रीब वर्ग के लिए न्याय लागू करना आवश्यक हैं। ये अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद होगा। क्या सूट-बूट-लूट की सरकार ग़रीबों का दर्द समझ पाएगी।

श्री कृष्णा जन्माष्टमी आज

नई दिल्ली में श्रीकृष्णा जन्माष्टमी पर भगवानश्रीकृष्णा की वेशभूषा में बच्चे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला:

बेटियों को भी पिता की संपत्ति में बराबरी का हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बेटियों के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। आदेश के मुताबिक, अब पिता की संपत्ति में बेटी भी बराबर की हिस्सेदार होगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि 2005 में हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) कानून आने से पहले पिता की मौत क्यों न हो गई हो, इसके बावजूद बेटी बराबरी की हकदार होगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरुण मिश्रा ने फैसले में कहा, ''बेटियों को भी बेटों के जैसे बराबरी का हक मिलना चाहिए। बेटी ताउम्र प्यारी बेटी होती है। बेटी हमेशा सह-भागीदार बनी रहेगी, चाहे उसके पिता जिंदा हों या नहीं।'' तीन जजों की बेंच ने मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई की थी। पिटीशन में कहा गया था कि संशोधित कानून में बेटियों को उत्तराधिकार में समान अधिकार है या नहीं। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 बनाया गया। इस कानून द्वारा ही महिलाओं के संपत्ति के अधिकार यानी संयुक्त हिंदू परिवार में विरासत के अधिकार को मान्यता दी गई। हालांकि, तब भी बेटी को सहदायक (कोपार्सनर) का दर्जा नहीं दिया गया था। 2005 में संसद ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 6 में संशोधन किया। बेटियों को एक बेटे के साथ एक सहदायक (कोपार्सनर) के रूप में मान्यता दी। इसके जरिए महिला को संविधान के अनुसार समान दर्जा दिया गया था। यह हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 9 सितंबर 2005 को लागू हुआ। संसद ने माना कि बेटियों को कोपार्सनरी नहीं बनाने से उनके साथ भेदभाव हो रहा है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

आध्यात्मिक भारतीय संस्क्रति की मूल पहिचान है श्रीमद् भागवत गीता के उपदेशों का हम सब अनुशरण करें: रामप्रकाश तिवारी

आध्यात्मिक भारतीय संस्क्रति रक्षा मंच के कार्यालय का हुआ लोकार्पण

भिण्ड। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी नये भारत की कल्पना को लेकर आत्म निर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भारत की 130 करोड़ जनता को जाग्रत कर रहे हैं। वो ही हम अपनी पुरानी संस्क्रति को जीवित करने के लिए हिन्दूत्व की मूल पहिचान भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के महाभारत श्रीमद् भागवत गीता के उपदेशों को जनता तक पहुंचाने के लिए अध्यात्मिक भारतीय संस्क्रति रक्षा मंच के माध्यम से उनके अनुशरणों को जन-जन तक पहुंचाने की कल्पना को लेकर भगवान श्रीकृष्णा जन्माष्टमी के अवसर पर गौरी किनारे स्थित अर्दनारीश्वर महादेव मंदिर परिसर में संस्था के कार्यालय लोकार्पण अवसर पर प्रदेष संयोजक रामप्रकाश तिवारी ने व्यक्त किये। इस अवसर पर श्री श्री 1008 महान तपस्वी संत सुवेन्द्र नारायण पुरी, भागवता चार्य आदित्य पुरी, प्रमुख रूप् से उपस्थित थे।

भगवान श्रीकृष्णा जन्माष्टीम महाउत्सव के तहत कार्यालय के लोकार्पण के अवसर पर श्री श्री 1008 महान तपस्वी संत सुवेन्द्र नारायण पुरी ने अपने आशीष वचनों में संस्था के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आपके द्वारा यह अनूठा कार्य आगे की और बढे, श्री मद् भागवत गीता का जो उपदेश है, श्रीकृष्ण व अर्जुन की कथा का चित्रंण और उपदेश सर्वसमाज के व्यक्ति के ह्रदय में जाग्रत हों। यह मेरा आसीत वचन हैं। आध्यात्मि भारतीय संस्क्रति रक्षा मंच का कार्यालय का लोकार्पण शहर के प्रमुख भागवताचार्य पण्डित कुलदीप शास्त्री जी के द्वारा संस्था के प्रदेष संयोजक रामप्रकाश तिवारी ने अपने परिवार सहित भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता के प्रचार-प्रसार को पूरे देश में जन सम्पर्क एवं अनुष्ठान तथा अन्य कार्यक्रमों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन भागवताचार्य कुलदीप शास्त्री द्वारा किया गया। आभार व्यक्त भारतीय रक्षा मंच के जिलाअध्यक्ष ह्देश षर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनिल शर्मा एडवोकेट, प्रदीप सोनी, विजय कटारे, लंबर बाबा, मंदिर के पुजारी श्री राधाकृष्ण, महेष दीक्षित, कृष्णकांत दीक्षित, पीके दीक्षित, अभिशेक तिवारी, अरूण षर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

अंगूठा लगाने के बाद भी नही दिया जा रहा कार्ड धारक को राशन

पुष्पांजली टुडे आगरा

तहसील खेरागढ़ विलोक जगनेर-गाँव नोनी के निवासी राजकुमार परमार के अनुसार चार पाँच महा पूर्व उन्होंने अपनी माँ श्रीमती के नाम से राशन कार्ड बनवाया था उसमें छः यूनिट है दुकान संचालक जीतू ने उनकी माँ से दो बार अंगूठा तो लगवा किया लेकिन राशन नही दिया जीतू ने बताया कि राशन कार्ड बनने के तीन माह बाद राशन मिलता है राशनकार्ड को चालू रखने के लिए हर महीने मशीन में आकर अगूंठा लगाना पड़ेगा इस बात के ऊपर दिनांक 9/8/20रविवार को सुबह वाद विवाद हो गया था

चिरबाई गांव के जंगलों से

रोज कट रहे हरेभरे वृक्ष वन विभाग मौन

सुरेंद्र बाथम

भौंती–जहाँ सरकार वातावरण को शुद्ध करने के लिये वृक्षारोपण कर हजारों रुपया पानी की तरह बहा रही है वही पिछेर अनुभाग के अंतर गत वन विभाग की मिलीभगत के चलते वन विभाग राजापुर बीट पिपरो के ग्राम चिरबाई के जंगल से अवैध रुप से रोज हरे भरे छाया दार वृक्षों को काटकर जंगल साफ किये जा रहे है।

वन विभाग को वृक्षों के कटने की जानकारी होने के बाद भी आज तक लकड़ी तस्करों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई वन विभाग की मौन स्वीकृति यह दर्शाती है कि कहीं ना कहीं वन विभाग के कर्मचारी भी इसमें लिप्त है।अब कैसे बचेंगे जंगल जब जंगलों के रक्षक ही भकक्षक बन गये हो। विभागीय कर्मचारी लकड़ी तस्करों पर कार्रवाई के नाम पर इतिश्री करते दिखाई दे रहे है।हमारे संवाददाता ने जब जिला अधिकारी से फोन पर बातकरनी चाहीं तो उन्होंने बात करना मुनासिब नहीं समझा।

इनका कहना

मुझे वृक्षों को काटने की जानकारी नहीं है में अभी आया हूँ छुटी पर था।दिखवाता हूँ अपराधियों के खिलाफ सकत कार्रवाई की जायेगी।

राजापुर
चौकी रेंजर
दिनेश कौशल

मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा 2018 के पात्र अभ्यर्थियों को अब तक नहीं मिली नियुक्ति...

केशब पंडित जी अम्वाह...

मुरैना...मध्यप्रदेश में इस समय बेरोजगारी अपने चरम पर है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण मध्य प्रदेश शिक्षक भर्ती में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती परीक्षा का विज्ञापन सितंबर 2018 में जारी किया गया था जिस पर शासन के निर्देशानुसार फरवरी 2019 में परीक्षा हुई इस परीक्षा का परिणाम अगस्त 2019 में आया इस परीक्षा में उत्तीर्ण

अभ्यर्थी सितंबर 2020 में भी बेरोजगार बैठे हुए हैं सरकार के द्वारा किसी ना किसी अनावश्यक कारणों से समय-समय पर यह भर्ती प्रक्रिया बाधित की गई जिसके परिणाम स्वरूप आज दिनांक तक यह भर्ती प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाई इसको लेकर मुरैना जिले के पास अभ्यर्थियों के द्वारा राज्यमंत्री गिर्राज दंडोतिया का घेराव कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया जिसमें भर्ती प्रक्रिया को अति शीघ्र पूरा करने की मांग रखी गई अन्यथा अभ्यर्थियों के द्वारा पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा ज्ञापन देने वालों में लकी दंडोतिया आशुतोष जी बजेश उपाध्याय शिबजीत शर्मा राघवैन्द्र पचौरी सहित मुरैना जिला के समस्त पास अभ्यर्थी शामिल रहे

मोटरसाइकिल फिसली महिला सड़क से खंती में जा गिरी दो घायल

भिंड,मेहगांव

मंगलवार सुबह 8ः10 बजे डबरा मोहल्ला जंगीपुरा के रहने वाले देवेंद्र पिता रामदयाल उम्र 25 वर्ष स ाथ में उनकी भाभी मीना उम्र 24 साल एवं उनकी भतीजी मुस्कान उम्र 8 साल के साथ अपनी निजी मोटरसाइकिल एम,पी,07एन,एल,4633 से जन्माष्टमी पर मनाने के लिए पोरसा जा रहे थे परंतु ग्राम खेरिया बाग पर अचानक किसी कारण बस इनकी मोटरसाइकिल का बैलेंस बिगड़ गया जिस कारण यह तीनों मोटरसाइकिल सवार रोड से नीचे खंती में गिर पड़े जिस कारण देवेंद्र को सर मैं एवं हाथ पैर में काफी चोटें आई तथा उसकी भाभी मीना को सिर में तथा हाथ पैर में हल्की-फुल्की चोटें, बस गनीमत रही कि

उनकी भतीजी सुरक्षित थी,वहां से ड्यूटी के लिए गुजर रहे 108 पायलट मुरारी लाल गोस्वामी ने जब यह देखा की एक महिला रोड पर अकेली बदहवास स्थिति में बैठी हुई है और की एक आदमी झाड़ियों में पड़ा हुआ है , तथा उनके पास एक मासूम बच्ची खड़ी हुई है, तो उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल रोक कर, तथारास्ते से गुजर रहे एक दो अन्य मोटरसाइकिल सवार को मदद के लिए रोका, फिर 108 पर कॉल लगाया परंतु एंबुलेंस बिजी होने के कारण, हंढ़ेड डायल को सूचना दी परंतु वह भी कहीं केस पर व्यस्त थी समय स्थिति को देखते हुए वहां पास से गुजर रहे, एक ई रिक्शा चालक से अनुरोध कर घायल देवेंद्र तथा उनकी भाभी मीना और बच्ची मुस्कान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सका

लॉक डाउन के नियमों का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

रजौरी। बाद मिली राहत के बाद कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे । पुलिस प्रशासन के बार बार समझाने पर भी बेवजह घर से निकलने वाले लोगों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा । इसको देखते हुए सोमवार ओर मंगलवार को पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए बिना काम के शहर में घूम रहे लोगों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनों वाहन

चालक नियमों का उल्लंघन कर पुलिस प्रशासन की चिंताएं लगातार बढ़ा रहे हैं। कई दोपहिया वाहन चालक ट्रिपल राइडिंग के साथ बिना मास्क शहर में आवारागर्दी करते नजर आएं। जिस पर पुलिस ने सख्ती बरतते हुए ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। वहीं प्रशासन ने भी कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती से निपटने के निर्देश जारी किए हुए हैं। एसएचओ सुदरबनी संजीव सिंह सलाथिया ने बताया कि लॉक डाउन के बाद हुए आन लॉक में नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बेवजह घर से निकलने वालों के खिल्फा कार्यवाही जारी है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए पुलिस हर स्तर से प्रयास कर रही है।

वृक्ष की सेवा से बढ़कर और कोई सेवा नहीं

पाली/नरेश कुमार सिरवी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के पाली जिले में ग्राम पंचायत वडेरावास के सरपंच प्रतिनिधि अमराराम सिरवी के नेतृत्व में वृक्षारोपण का कार्य लगभग सभी ग्राम पंचायत के अधीन सहायक गांव में चल रहा है/जहां खारवाल समाज के प्रतिभाओं द्वारा बताया गया कि वृक्ष की सेवा से बढ़कर संसार में और कोई सेवा नहीं/प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली पंचायत समिति की ग्राम पंचायत वडेशवास के सहायक ग्राम शिवपुरा में खारवाल समाज के थानाराम द्वारा बताया गया कि इस समय वृक्षों की रक्षा और मानव जीवन की रक्षा करना एक समान ही माना जाता/जिले के ग्राम पंचायत

सोडावास खेरवा वडेर वास के सरपंच प्रतिनिधि द्वारा वार्षिक उत्सव से अब तक लगभग सभी जगह वृक्षारोपण का कार्य ही चल रहा /ग्राम पंचायत सोडावास के सरपंच राधा देवी सिरवी के नेतृत्व में वृक्षारोपण का कार्य कई जगह पर किया गया/इसी प्रकार ग्राम पंचायत खेरवा के सरपंच प्रतिनिधि भरत सिंह राणावत के नेतृत्व में भी वृक्षारोपण का कार्य कई जगह पर किया गया जा गांव के मुख्य तालाब एवं सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया/जिले में वृक्षारोपण का कार्य मानसून की वापसी के दौरान लगभग सभी क्षेत्रों में चल रहा है इस प्रकार ग्राम पंचायत बदरवास के सरपंच प्रतिनिधि द्वारा लगातार वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है/जिसमें पाली पंचायत समिति के ग्राम पंचायत खेरवा ग्रामपंचायत वडेर वास ग्राम पंचायत सोडावास इन तीनों ग्राम पंचायत के महिला सरपंच एवं उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य उनके नेतृत्व में सभी जगह पर किया जा रहा है जहां इनका मुख्य संकल्प हरी-भरी ग्राम पंचायत और हर आम जन को वृक्ष के बारे में जानकारी के साथ वृक्षारोपण का कार्य आमजन से करवाया जा रहा है जहां इनका मूल उद्देश्य हर एक नागरिक को वृक्ष लगाना और उसकी रक्षा करना जहां पर ग्राम पंचायत वडेर वास के सहित ग्राम शिवपुरा में खारवाल समाज के परिवार द्वारा संकल्प के साथ वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया और उन्होंने बताया कि वृक्ष की सेवा से बढ़कर और कोई सेवा नहीं जहां पर बेजुबान हजारों पक्षियों एवं पशुओं के लिए एकमात्र सहारा वृक्ष बनते हैं इस प्रकार इनकी रक्षा करना हमारे मानव जीवन का प्रमुख अंग माना जाता है।

घर घर जाकर लोगों को जागरूक किया

वार्ड नंबर 12 में बने आंगनवाड़ी सेंटर में झूई राशन व अन्य जरूरी वस्तुएं प्रदान

युवीर ठाकुर रिपोर्टर

रियासी। कोरोना महामारी के बीच लगातार लोगों के बीच पहुंच रहे कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री अमित शर्मा जी राजेश केसर और अन्य कार्यकर्ताओं ने रियासी के वार्ड नंबर 12 में घर घर जाकर लोगों को जागरूक किया और वार्ड नंबर 12 में ही बने आंगनवाड़ी सेंटर में झूई राशन व अन्य जरूरी वस्तुएं प्रदान की। गौरतलब है कि जब से कोरोना जैसी बीमारी ने देश व दुनिया मैं अपने पैर पसारे हैं तब से लेकर आज तक अमित शर्मा व उनके साथियों ने लोगों के बीच जाकर हर जरूरी चीज जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाई चाहे वह झूई राशन हो मास्क हो सैनिटाइजर हो या कोई अन्य वस्तु। उनकी और उनके साथियों की इस कार्यशैली को लोगों ने बहुत सराहा है।

इमरजेंसी एंबुलेंस 108, के ड्राइवर ने मरीज से की अवैध वसूली

ब्यूरो रिपोर्टरनी /

ग्राम पवई एक गरीब महिला रेखा शाक्य उम्र 25 साल जिसने 108 इमरजेंसी एंबुलेंस MP30da 0414 को फोन लगाया फोन पर गाड़ी ग्राम पवई पहुंची रेखा शाक्य इमरजेंसी एंबुलेंस 108 मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिथनपुरा लाया और बोला हजार रुपए मुझे चाहिए क्योंकि महिला के डिलीवरी थी वह मजबूर थी लेकिन यमराज ड्राइवर ने एक नहीं सुनी महिला को भर्ती कराया गया हालत नाजुक थी उस महिला के साथ जो उसके घर परिवर वाले थे उन्होंने तुरंत भिंड जिला चिकित्सालय के लिए रेफर के लिए कहा उस महिला को रेफर कर दिया गया लेकिन यमराज ड्राईवर ने भिण्ड ले जानेसे इनकार कर दिया और कहा?1000 नहीं दोगी तब तक मैं भिण्ड नहीं जाऊंगा रात्रि के वह महिला परेशान हो रही थी महिला ने

पुष्पांजलि टुडे के जिला ब्यूरो अरुण शुक्ला को फोन पर ड्राइवर की स्थिति बताई उस ड्राइवर से अरुण शुक्ला ने बात की और उनसे भी अभद्रता करने लगा अरुण शुक्ला जी ने तुरंत भोपाल 108 पर फोन लगाया गाड़ी सुरपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से उपलब्ध हुई समय 3 घंटे बीत गया परिणाम यह हुआ भिण्ड चिकित्सालय के गेट पर आकर 108 इमरजेंसी एंबुलेंस में ही महिला ने बच्चे को जन्म दे दिया यह घटना दिनांक 8/8/2020कि है महिला कोबहुत पीड़ा हो रही थी ऐसे यमराज ड्राइवरों पर कार्रवाई होनी चाहिए शासन निशुल्क 108 इमरजेंसी एंबुलेंस सेवा दे रही है लेकिन ऐसे ड्राइवर उसका दुरुपयोग कर पैसे कमाने की जुगत में लगे रहते हैं ऐसी कई शिकायतें उस ड्राइवर की आई हुई है शासन ऐसे ड्राइवरों पर कार्रवाई करें इस सिस्टम को सुधारें व आम जनता को और गरीब ऐसी महिलाएं को परेशानी का सामना ना देखना पड़े गांव की आशाओं ने इस सिस्टम को बिगाड़ा है गांव की आशा ड्राइवरों से संपर्क किए हुए हैं और महिलाओं से पैसे दिलवाने के लिए मजबूर करती है ऐसे ही भिंड चिकित्सालय में भी डिलीवरी रूम में आशाओं ने सिस्टम बिगाड़ रखा है आशाओं के द्वारा गाड़ी ड्राइवरों को पैसा पहुंचता है एवं आशाओं के द्वारा डिलीवरी रूम में पैसा पहुंचता है शासन इस पर तुरंत कार्रवाई करें और सिस्टम को सुधारने की कोशिश करें शासन के सिस्टम में दीमक लग चुकी है उस में दवा डालने की जरूरत है गरीब जनता ऐसे छोटे-छोटे कामों में मैं पैसा ना देने के कारण से शासन की योजनाओं से वंचित है।

प्रदेश में कोरोना की रिकवरी रेट 75 प्रतिशत हुई

मुख्यमंत्री चौहान ने कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना की रिकवरी रेट लगातार बढ़ रही है तथा बड़ी संख्या में मरीज स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। इससे एक्टिव मरीजों की संख्या में कमी आ रही है, ये अच्छे संकेत हैं। वर्तमान में प्रदेश की रिकवरी रेट 75.1 प्रतिशत तथा एक्टिव मरीजों की संख्या 9105 हो गई है। नए 843 मरीज आए हैं वहीं 922 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं। गत दिवस की तुलना में एक्टिव मरीजों की संख्या में 98 की कमी आयी है। प्रदेश में मृत्यु दर 2.54 है, जिसे न्यूनतम किए जाने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के कोविड अस्पतालों में कोरोना मरीजों के निःशुल्क उपचार की अच्छी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे।

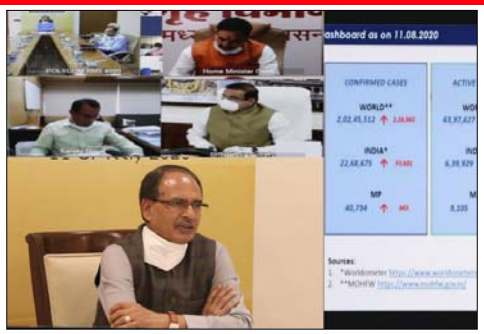

वीडियो कान्फ्रेंस में गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्र, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान, डीजीपी श्री विवेक जौहरी, प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारियों ने भाग लिया मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कम लक्षण वाले कोरोना के मरीजों को, उनके घर पर सुविधा होने पर, घर पर ही इलाज की व्यवस्था की जाए। इन मरीजों की घर पर ही नियमित मॉनीटरिंग की व्यवस्था हो। गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्र ने बताया कि दतिया मेडिकल कॉलेज में गत दिनों से डीन अथवा सिविल सर्जन द्वारा वार्डों का भ्रमण नहीं करने की शिकायत प्राप्त हुई है। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तुरंत कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी जेलों में कोरोना संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्र ने बताया कि ग्वालियर जेल में कोरोना के 30 मरीज पाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जेलों में वार्ड बनाने और इलाज की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश में कोरोना के सर्वाधिक 176 नए मरीज इंदौर में पाए गए हैं। भोपाल में 100, ग्वालियर में 89, जबलपुर में 54 तथा विदिशा में कोरोना के 28 नए मरीज पाए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन जिलों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मरीजों की जल्दी पहचान कर उनका इलाज किए जाने के लिए प्रदेश में कोरोना टैस्टिंग क्षमता लगातार बढ़ाई जा रही है। आज प्रदेश में 21217 टैस्ट किए गए।

ट्रक एसोसिएशन के पदाधिकारी चर्चा के लिये आमंत्रित

ट्रक एसोसिएशन की माँगों पर होगा गंभीरता से विचार-परिवहन मंत्री राजपूत

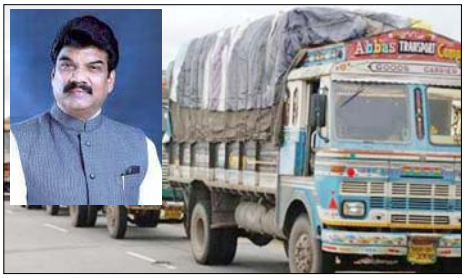

भोपाल। परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने प्रदेश में ट्रक एसोसिएशन की हड़ताल पर जाने के संबंध मे कहा कि सरकार ट्रक मालिकों के साथ है। हमें ज्ञापन प्राप्त हो गया है।एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया है।उन्होंने भी शीघ्र निराकरण के लिए निर्देशित किया है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा ट्रक मालिकों को एक मुश्त लाईफ टाईम टैक्स जमा कराने के विरूद्ध ट्रक एसोसिएशन की माँग पर सरकार ने गंभीरता से विचार किया था। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लाईफ टाइम टैक्स को किश्तों में जमा कराने के निर्देश दिए थे।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कल भी आंशिक ट्रक सेवायें जारी रही। जिससे दुध, दवाओं,पेट्रोल, जैसी आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई निरंतर जारी रही। उन्होंने कहा कि ट्रक एसोसिएशन के पदाधिकारी चर्चा के लिए आए थे, उन्होंने ज्ञापन दिया है। उनकी मांगों पर चर्चा के लिए उनके प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी आमंत्रित हैं। सरकार उनके साथ है। जो भी माँग परिवहन विभाग से संबंधित होगी उसका शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

पर्यटन विकास निगम के सभी होटल और रेस्टॉरेंट शुरू

अनलॉक-1 में निगम ने शुरू किया था 35 होटल-रेस्टॉरेंट का संचालन

भोपाल। राज्य पर्यटन विकास निगम ने प्रदेश में स्थित अपने सभी होटल और रेस्टॉरेंट का संचालन फूड लवर्स के लिये पुनः शुरू कर दिया है। निगम के प्रबंध संचालक श्री एस. विश्वनाथन ने बताया कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, खजुराहो और पचमढ़ी क्षेत्र के सभी होटल और रेस्टॉरेंट पर्यटकों की माँग पर पुनः शुरू किये जा रहे हैं। अनलॉक-1 की अवधि में निगम ने फर्स्ट फेज में प्रदेश में अपने 35 होटल और रेस्टॉरेंट का संचालन शुरू किया था। निगम द्वारा भोपाल क्षेत्र के होटल पलाश रेसीडेंसी, विण्ड एण्ड वेव्स, पिकनिक एट केरवा शुरू कर दिये गये हैं। वर्षा ऋतु में विण्ड एण्ड वेव्स और पिकनिक एट केरवा सैलानियों का फेवरेट वेन्यू रहा है। वहीं जबलपुर में होटल कलचुरि रेसीडेंसी, ग्वालियर में तानसेन रेसीडेंसी सहित निगम के सभी होटल और रेस्टॉरेंट को पर्यटकों और फूड लवर्स के लिये पुनः आरंभ कर दिया गया है। श्री विश्वनाथन ने बताया कि सभी होटल और रेस्टॉरेंट का संचालन केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय और राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई गाइड-लाइन और होटल और रेस्टॉरेंट के लिये जारी स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स का अनिवार्य रूप से पालन कराते हुए किया जा रहा है। कोविड-19 की वजह से पर्यटन विकास निगम ने इन होटल्स और रेस्टॉरेंट का संचालन बंद कर दिया था। उल्लेखनीय है कि पर्यटन विकास निगम द्वारा फूड लवर्स के लिये मई-जून माह से एमपीटी फ्यूजन एप के माध्यम से शुरू की गई फूड होम डिलेवरी सर्विस और टेक अवे सर्विस संचालित की जा रही हैं, जो यथावत हैं। निगम द्वारा भोपाल में मिंटो हॉल स्थित रूफटॉप रेस्टॉरेंट, ग्वालियर के तानसेन रेसीडेंसी और जबलपुर के कलचुरि रेसीडेंसी से मनपसंद व्यंजनों की सुरक्षित होम डिलेवरी सर्विस और टेक अवे सुविधा फूड लवर्स को दी जा रही है।

राज्यपाल पटेल से मिले स्कूली बच्चे

राजभवन माध्यमिक शाला के बच्चों की देखी प्रस्तुति

भोपाल। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल से माध्यमिक शाला राजभवन कुम्हारपुरा के स्कूली बच्चों ने भेंट की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अलका शर्मा भी मौजूद थी। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने प्राचार्य से विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों, स्मार्ट क्लास तथा रचनात्मक गतिविधियों के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय की कक्षा चार की छात्राओं चहक, महक और रागिनी से उनकी पढ़ाई और रचनात्मक कार्यों के बारे में चर्चा की। छात्राओं द्वारा कोरोना पर नाटक करने की बात बताने पर राज्यपाल ने उनकी प्रस्तुति देखी तथा बच्चों की सराहना की। उन्होंने श्री राम मंदिर अयोध्या के भूमि पूजन कार्यक्रम का प्रसाद स्वयं बच्चों को वितरित किया। विद्यालय की प्राचार्य को स्वरचित पुस्तक %वे मुझे हमेशा याद रहेंगे% भेंट की।

जिला क्राइसिस मैनेजमेंट की बैठक सम्पन्न

भोपाल। प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा की अध्यक्षता में जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक विधान सभा अध्यक्ष के कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर, विधायक विष्णु खत्री, कलेक्टर अविनाश लवानिया, डीआईजी इरशाद वली और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि शासन द्वारा जारी की गई गाइड लाइन का सख्ती से पालन कराया जाए, धारा 144 के तहत समय समय पर जारी किए गए आदेशों को लागू करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो । बैठक में प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भोपाल में कोविड 19 के प्रोटोकाल के तहत बेहतर काम चल रहा है। इसका लगातार निरीक्षण किया जाए। होम क्वारेंटाईन रखे गए लोगों पर निगाह रखी जाए कोई भी इसका उल्लंघन नहीं करें । बैठक में भोपाल सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि क्वारेंटाइन सेंटरों पर लगातार साफ सफाई होती रहे और लोगो की दैनिक जरूरत की मांग होने पर उसे पूरा किया जाए, डॉक्टर की टीम द्वारा लगातार इन केन्द्रों का सर्वे किया जाए, अन्य बीमारियों का इलाज भी चालू रहे। सार्वजनिक जगहों पर 5 से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो, दुकानों और होटलों में सख्ती से सोशल डिस्टेंस और सेनेटाइजेशन का पालन कराया जाए।

प्रदेश में बनेगा एकीकृत जॉब पोर्टल: मुख्यमंत्री

युवाओं को उनके हुनर अनुसार मिलेगा रोजगार, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश वेबिनार

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस दिशा में प्रयास किए जाएं कि हर रोजगार चाहने वाले व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुरूप रोजगार मिले और रोजगार चाहने वाले इतने सक्षम बन जाएं कि एक दिन स्वयं रोजगार देने की स्थिति में आ जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में एकीकृत जॉब पोर्टल तैयार किया जाएगा। इसका लाभ जरूरतमंदों को दिलाया जायेगा। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके हुनर अनुसार रोजगार दिलवाना आसान होगा। मध्यप्रदेश में जब कोरोना काल में रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से स्किल मेपिंग की गई तो अनेक हुनरमंद सामने आए। इनकी संख्या सात लाख से अधिक थी। इनको रोजगार उपलब्ध करवाने का कार्य किया गया। अन्य प्रांतों से अपना स्थायी काम धंधा छोड़कर प्रदेश लौटे करीब चालीस हजार लोगों को तुरंत रोजगार मिल गया। इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए नवीन पोर्टल के निर्माण का विचार सामने आया है। मध्यप्रदेश में स्टार्टअप से लेकर एमएसएमई क्षेत्र तक प्रतिभा को अवसर देकर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्हें हताश नहीं होने दिया जाएगा। आर्थिक रूप से ग्रामों को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयास किये जायेंगे। सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री जयंत सिन्हा ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

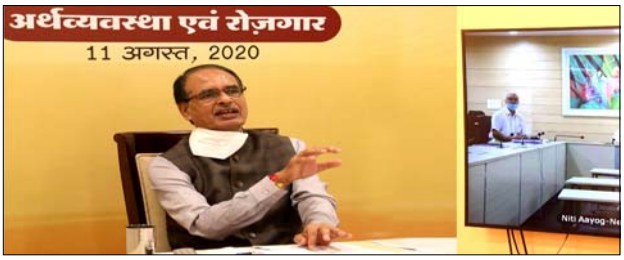

के निर्माण के लिए वेबिनार का आयोजन महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपने भाग्य को स्वयं निर्मित करना। मध्यप्रदेश ने कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य किया है। झारखंड जैसे राज्य मध्यप्रदेश से प्रेरणा ले सकते हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि देश की नई उद्योग नीति का निर्माण हो रहा है। इसमें खाद्य प्रस्संकरण उद्योग के विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में अच्छे परिणाम ला सकता है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठानों को सक्षम बनाने, स्टार्टअप गतिविधियों के विकास, पर्यावरण हितैषी स्थाई विकास के प्रयास प्रगति की तरफ ले जाने में सहायक हैं। मध्यप्रदेश की स्थिति ऐसी है जो आत्मनिर्भरता में सफलता प्राप्त करने की दृष्टि से काफी अनुकूल है। उनका अनुभव है कि राज्य की वित्तीय सेहत भी अन्य राज्यों से बेहतर है। श्री सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा मध्यप्रदेश के विकास के ठोस प्रयास पूर्व में भी किए गए हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश वेबिनार में %अर्थव्यवस्था व रोजगार% विषय पर सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से देशभर के आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निर्माताओं, प्रमुख जनप्रतिनिधियों की सहभागिता वाले चार दिवसीय वेबिनार के चौथे और समापन दिवस पर अर्थव्यवस्था एवं रोजगार के एक दिवसीय सत्र में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सिन्हा द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर अमल किया जाएगा।

संपादकीए

राजस्थान का किला बचा

आखिरकार एक महीने के बाद राजस्थान की सियासत पर से संकट के बादल फिलहाल छट गए हैं। सियासी संग्राम के बीच सचिन पायलट की घर वापसी हो गई। कांग्रेस आलाकमान से बातचीत होने और सोनिया गांधी की ओर से तीन सदस्यों की कमेटी के जरिए समाधान निकालने की बात होने के बाद सचिन पायलट एक बार फिर कांग्रेस का साथ देने के लिए खड़े हैं। लेकिन प्रदेश में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की तकरार की बात किसी से छुपी नहीं है। राजनीतिक रिश्तों की यह तल्खियां प्रदेश में हुए सियासी ड्रामा के बाद और बढ़ गई है। ऐसे में कई ऐसे सवाल है, जिसका जवाब हर प्रदेशवासी के मन में होगा। सवाल है कि मजबूरी में हुई इस सुलह से क्या पांच साल सरकार बिना संकट के चल सके। पायलट का भविष्य क्या होगा? गहलोत और पायलट के बीच के संवाद आगे कैसे रहेगा। पायलट आरोपों का क्या जवाब देंगे, क्या पायलट पहले जितने ही मुखर रहेंगे या उनका नया रूप देखने को मिलेगा। कुल मिलकर पूछा जाए, तो पायलट का सियासी भविष्य क्या होगा। देर रात हुए घटनाक्रम में पालयट की प्रियंका से दोबारा मुलाकात हुई। करीब 31 दिन की खुली नाराजगी के बाद पायलट ने सोमवार सुबह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। देर रात, 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित कांग्रेस के वॉर रूम में प्रियंका के साथ दूसरी बैठक के बाद पायलट ने एक फेसबुक पोस्ट साझा की जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं सोनिया जी, राहुल जी, प्रियंका गांधी जी और कांग्रेस नेताओं को हमारी शिकायतों पर ध्यान देने और उन्हें संबोधित करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मेरा विश्वास दृढ़ है और मैं एक बेहतर भारत के लिए काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए मैं हमेशा संघर्ष करता रहूंगा। इस फेसबुक पोस्ट में उन्होंने प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ दो तस्वीरें भी साझा की। इससे पहले पायलट ने कहा कि हमारी लड़ाई पद की नहीं, सम्मान की थी। पार्टी पद देती है तो ले भी सकती है। हम अपनी बात पहुंचाना चाहते थे और पार्टी ने हमारी बात सुनी भी। इससे पहले, पायलट खेमे की शिकायतों को सुलझाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। सूत्रों के मुताबिक, गहलोत से खुली बगावत के बावजूद पायलट लगातार शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में थे। अब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने त्रिसदस्यीय स्तरीय कमेटी के जरिए पायलट-गहलोत विवाद का हल निकालने की बात कही है। ऐसे में महत्वपूर्ण हो जाता है कि कमेटी कैसे इस समस्या का हल निकालेगी, ताकि सचिन पायलट दोबारा बगावत के रास्ते पर नहीं आए। जानकार सूत्रों का कहना है कि सचिन पायलट से फिलहाल किसी भी शर्त के वापस कांग्रेस में शामिल होने की बात सोनिया गांधी ने की थी, जिसे पायलट ने मान लिया है। यह माना जा रहा है कि कि आने वाले दिनों में दोबारा संगठन की कमान पायलट को दी जाएगी। फिलहाल मुख्यमंत्री पद पर अशोक गहलोत ही रहेंगे। लेकिन आगामी दिनों में या पांच साल के भीतर सूबे की कमान सचिन पायलट को भी दी जा सकती है। इस बात के संकेत ऐसे भी देखे जा सकते हैं कि सचिन पायलट समर्थक विधायक और पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने भी अपने एक बयान में यह कहा है कि देखते हैं कि भविष्य में राज कौन करेगा, ऐसे में पूरी संभावनाएं है कि सचिन पायलट भी मुख्यमंत्री पद पर एक बार काबिज होंगे।

जन्माष्टमी विशेष

प्रेम और भक्ति के पोषक श्रीकृष्ण !

श्रीकृष्ण को प्रेम और भक्ति का पोषक कहे तो गलत नही होगा।उनके जन्मोत्सव के रूप में जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही आस्था व विश्वास के साथ मनाया जाता है। मथुरा नगरी में कंस के कारागार में देवकी की आठवीं संतान के रूप में भगवान श्रीकृष्ण भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी को पैदा हुए थे। उनके जन्म के समय अर्धरात्रि थी, चन्द्रमा उदय हो रहा था और उस समय रोहिणी नक्षत्र भी था। इसलिए इस दिन को प्रतिवर्ष कृष्ण जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। अष्टमी पहले ही दिन आधी रात को विद्यमान हो तो जन्माष्टमी व्रत पहले दिन किया जाता है।अष्टमी दूसरे ही दिन आधी रात को व्याप्त हो तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है। अगर दोनों दिन अष्टमी आधी रात को व्याप्त न करे तो प्रत्येक स्थिति में जन्माष्टमी व्रत दूसरे ही दिन होगा। जबकि वैष्णवों के मत के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अगले दिन मनाई जाती है। क्योंकि वैष्णव और स्मार्त सम्प्रदाय मत को मानने वाले लोग इस त्यौहार को अलग-अलग नियमों से मनाते हैं। वैष्णव वे लोग हैं, जिन्होंने वैष्णव संप्रदाय में बतलाए गए नियमों के अनुसार विधिवत दीक्षा ली है। ये लोग अधिकतर अपने गले में कण्ठी माला पहनते हैं और मस्तक पर विष्णुचरण का टीका लगाते हैं। इन वैष्णव लोगों के अलावा सभी लोगों को धर्मशास्त्र में स्मार्त कहा गया है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि - वे सभी लोग, जिन्होंने विधिपूर्वक वैष्णव संप्रदाय से दीक्षा नहीं ली है, स्मार्त कहलाते हैं। इस व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारणा से व्रत की पूर्ति होती है। इस व्रत को करने वाले को चाहिए कि व्रत से एक दिन पूर्व (सप्तमी को) हल्का तथा सात्विक भोजन करें। रात्रि को स्त्री संग से वंचित रहें और सभी ओर से अपने मन और इंद्रियों को काबू में रखें।उपवास वाले दिन प्रातः स्नानादि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करके पूर्व या उत्तर को मुख करके बैठें। हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर संकल्प करके मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से छिड़ककर कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएँ। अब इस सूतिका गृह में सुन्दर बिछौना बिछाकर उस पर शुभ कलश स्थापित करें। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती माता देवकी की मूर्ति या सुन्दर चित्र की स्थापना करें। पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः लेते हुए विधिवत पूजन करें। यह व्रत रात्रि बारह बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फ़ी और सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार ,द्वापर युग के अंत में मथुरा में उग्रसेन राजा राज्य करते थे। उग्रसेन के पुत्र का नाम कंस था। कंस ने उग्रसेन को बलपूर्वक सिंहासन से उतारकर जेल में डाल दिया और स्वयं राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यादव कुल में वासुदेव के साथ निश्चित हो गया। जब कंस देवकी को विदा करने के लिए रथ के साथ जा रहा था तो आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू बड़े प्रेम से विदा कर रहा है उसका आठवाँ पुत्र तेरा संहार करेगा। आकाशवाणी की बात सुनकर कंस क्रोध से भरकर देवकी को मारने के लिए तैयार हो गया। उसने सोचा - न देवकी होगी न उसका कोई पुत्र होगा। वासुदेव ने कंस को समझाया कि तुम्हें देवकी से तो कोई भय नहीं है। देवकी की आठवीं संतान से भय है। इसलिए मैं इसकी आठवीं संतान को तुम्हे सौंप दूँगा। कंस ने वासुदेव जी की बात स्वीकार कर ली और वासुदेव-देवकी को कारागार में बंद कर दिया। तत्काल नारद जी वहाँ आ पहुँचे और कंस से बोले कि यह कैसे पता चलेगा कि आठवाँ गर्भ कौन-सा होगा। गिनती प्रथम से शुरू होगी या अंतिम गर्भ से। कंस ने देवकी के गर्भ से उत्पन्न होने वाले समस्त बालकों को एक-एक करके निर्दयतापूर्वक मार डाला। परन्तु जब भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। उनके जन्म लेते ही जेल की कोठरी में प्रकाश फैल गया। वासुदेव-देवकी के सामने शंख, चक्र, गदा एवं पदमधारी चतुर्भुज भगवान ने अपना रूप प्रकट कर कहा, अब में बालक का रूप धारण करता हूँ। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नन्द के यहाँ पहुँचा दो और उनकी अभी-अभी जन्मी कन्या को लेकर कंस को सौंप दो। वासुदेव ने वैसा ही किया और उस कन्या को लेकर कंस को सौंप दिया। कंस ने जब उस कन्या को मारना चाहा तो वह कंस के हाथ से छूटकर आकाश में चली गई और देवी का रूप धारण कर बोली कि मुझे मारने से क्या लाभ है? तेरा शत्रु तो जन्म ले चुका है।

निजता और बेवफ़ाई

कोई सवाल न करेगा औरत से, लेकिन औरत को ये कहना होगा।। कोई हिसाब न मांगेगा औरत से, औरत को डटे रहना होगा।। कोई उम्मीद न करेगा कि जियो मेरे लिये एक औरत से, पर उसे अकेले रहना सीखना होगा।। कोई नहीं करेगा फिक्र एक औरत की, बशर्ते औरत को सच में बेफिक्र होना होगा।। कोई नहीं रोकेगा औरत को खुद के लिए जीने से, पर औरत को साथ होकर अपने साथ वालों का सोचना होगा।। कौन रोकेगा अपनी बीबी और प्रेमिका को दफ्तर जाने से, पर औरत को सहकर्मियों से थोड़ा कम खुल कर रहना होगा।। इस आधुनिकी की मार के चलते हर मर्द और औरत को, वफ़ाई के साथ ही रहना होगा।। औरत हो या मर्द हो, अपने फ़ोन से लेकर इंस्टाग्राम तक का हर राज और पासवर्ड अपने साथी से कहना होगा।। हर मर्द हक़ ही नहीं छीनता एक औरत से जीने का, उसको तो डर होता है अपनी जान को खोने का।। आज के इस दौर में वो कवर करती है दोस्त है कह कर हर आदमी को, तो यही सच है गर तो उसके साथ का कन्वर्सेशन तो देना होगा।। हमराज कोई और है और प्राइवेसी किसी गैर के साथ है, निजता की बात करने वाली औरत को बेवफ़ाई कहा है ये भी समझना होगा।। खूब बनाओ दोस्त फेसबुक और इंस्टा से पर इसकी वजह को तो कहना होगा।। फेसबुक के बनाये दोस्त से फ़ोन नम्बर शेयर करके मिलने जाने की वजह तो बताना होगी, और झूठी वजह बताने के पीछे कोई धोखा तो ज़रूर होगा।। या तो हर औरत हर मर्द हो वफादार अपने साथी के साथ, या प्यार-प्रेम का खेल खेलना छोड़ना होगा।। और हे औरत ! तुम्हें आज के दौर में भी लॉयल होना सीखना होगा।।

रुचिर जैन, दमोह(म.प्र.)
(लेखक - पवित्र भारतीय विवाह का अंधकारमय पक्ष)
(मेरे अपने अनुभव पर,किसी को टारगेट नही किया गया है)

कान्हा जी जग में आऐ

जिसके आने से काली घटा
घन में छा गई
बूँद बूँद की प्यासी धरा
जल में समा गई।

छू लिया जो जल ने पग को
सारी शृष्टी गा रही
देखो देखो आए कान्हा
कलिया मुस्कुरा रही।

देवो ने पुष्प बरसाए
कान्हा जो जग में आऐ
चारों तरफ है खुशियाँ
कोयल भी गीत गाए।

तेरी भोली सी है सूरत
सावली सी है जो मूरत
तुझे देख के रे कान्हा
सारे है गम भूलाऐ
देखो रे देखो कान्हा
जब से है जग में
आऐ।

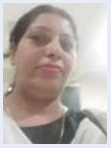

वो प्रेम का घडा है
तू जिसके संग खड़ा है
तुम्हें प्रेम से भरे हम
राधा का जो सखा है

आओ मिलके सारे जग में
त्योहार को मनाऐ
देखो रे देखो कान्हा जब
से है जग में आऐ।

राधा शर्मा
इन्दौर(मप्र)

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की मंगल कामनाएं..

विधा - ग्रंथि छंद
विषय - कृष्ण जन्म

हो रहे जब पाप थे, संसार में!
थी नहीं जब एकता, परिवार में!!
बाप का अपमान कर,सुत राज ले!
छीन कर खुद साध वह,सब काज ले!!
.....
बढ़ रहे हो पाप जब, संहार हो!
संत विनती कर रहे, अवतार हो!!
अब जनम लेलो प्रभो,श्रीधर कहीं!
अब नहीं जीवन दिखे,भू पर कहीं!!
.....
टेर सुन आये प्रभो, तव रात में!
थी निशा बारह बजे, बरसात में!!
देवकी मां वसु पिता, खुश हो रहे!
देवता भी खुश सभी, प्रभु रो रहे!!
.....
खुल गये ताले सभी,अब जेल में!
है मगन माधव प्रभो, अब खेल में!!
उठ गये वसु ले चले,गोकुल नगर!
झींगुरों का शोर था,सूनी डगर!!

पंडित नितिन त्रिगुणायत ÷वरी÷
शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश

तोते से मैंना यूँ बोली

तोते से आ कर मैना यूँ बोली
सच सच बात बताओ वो यूँ बोली

जितना ज्यादा मैं तुम्हे चाहती हूँ
तुम मुझे कितना चाहे वो यूँ बोली

सुन्दरता जब मेरी होगी धुमिल
ऐसा सी प्यार जताओगे यूँ बोली

आँखे जो मेरी गर अंधी हों जाएं
अग्रिम राह दिखाओगे वो यूँ बोली

तन मेरा जो शक्तिहीन हो गया
बाहों में भार उठाओगे वो यूँ बोली

निज हाथों से अगर मैं खा न पाऊँ
खाना रोज खिलाओगे वो यूँ बोली

वाणी ने जो मेरा साथ छोड़ दिया
इशारों को समझोगे वो यूँ बोली

श्रवणशक्ति भी अगर क्षीण हो गई
तन की भाषा समझोगे वो यूँ बैली

जमाने की रौनक और चकाचौंध मे
मुझे याद रख पाओगे वो यूँ बोली

तेरी बाहों में अगर मैंनें दम तोड़ा
दो गज कपड़ा भी दोगे वो यूँ बोली

सारी बाते सुन कर तोता यूँ बोला
जान से प्यारी सुन मैंना मेरी बोली

इक भी सांस न कम न ज्यादा होगा
एक अर्थी होगी सुनो तुम मूरी बोली

साथ जियेंगे और एक साथ मरेंगे
मनसीरत कहे मैना सुन मेरी बोली
****

सुखविंद्र सिंह मनसीरत
खेड़ी राओ वाली (कैथल)

मेरा सौ रुपया:-

लघु कथा

बिटिया पैरों से लिपटे रो रही है,मैं कमबख्त आज दीन ना होता तो यह सब मंजर मेरे सम्मुख न प्रकट होते! परंतु ना इसमें ऊपर वाले का दोष है,ना ही मेरा.अगर किसी का दोष है तो वह है कर्म।मुझे पता है बिटिया के रोने का कारण परंतु उसका दिल रखने के खातिर फिर भी मैं पुछ बैठा-पैरों से उठाकर गालों पर स्नेह का चुंबन देते हुए–सुनैना बिटिया क्या हुआ तुम्हें?आज बताओ क्या चाहिए मैं ला कर दूंगा.

बाबू आप हर दफा तो यही कहते हैं लाकर दूंगा परंतु आज तक आप मेरी एक भी फरियाद पूरी ना कर पाए।

यह शब्द भेदी बाण हृदय पर लगते ही गहरा आघात किए,परंतु कर्म दंड समझ कर भूल जाना ही सुखद समझा,मन तो हुआ जड़ दूं दो चार थप्पड़ गाल पर परंतु इसके लिए हृदय गवाही न दिया।सहसा मैं बोल उठा– तुम्हारी सौगंध खाता हूं,आज फरियाद अवश्य पूरी करूंगा।

सुनैना– आप हमारे सिर पर अपना हाथ रख के सौगंध खाइए ,की आज आप मेरी फरियाद अवश्य पूरी करेंगे.नहीं तो आप जैसों का क्या भरोसा बात कहते ही पलट जाते हैं।

हलात की मार जब व्यक्ति पर पड़ती है तो औरों की बात क्या कहें?बच्चे-बच्चे का विश्वास उस पर से उठ जाता है. पर मेरी हालात इतनी भी गई गुजरी नहीं थी, परंतु हो सकता है कजूसी के कारण यहां सब सुनने को मिल रहा हो।

बिटिया की आंखों से लगातार बहती अश्रुधारा मुझसे देखी ना जा रही थी।मैं बिना वक्त गंवाए उसके सिर पर हाथ रखकर सौगंध खाया,कि तुम्हारी फरियाद अवश्य पूरी करूंगा.चाहे खुद को ही बेचना पड़े। उसका मुरझुराया चेहरा अचानक फूलों सा खिल उठा,उदास मुखड़े को जैसे आनंद के भाव से कोई भर दिया हो। ऐसा खुशी के मारे सहसा उछल कर कहने लगी.सुनैना– बाबूजी पिछले कई दिनों से दालमोट चखने का मन है,और आज तक मन को मैं समझाती रही परंतु यह कमबख्त आज समझने को राजी नहीं होता।

तो तुम्हें दालमोट चाहिए।

सुनैना–हां!

रुमाल से गाल का पानी साफ करते हुए जेब में हाथ डाला तो कटी चवन्नी भी हाथ न लगी,मैं चौक सा आ गया और पूरा जेब तकरीबन आठ से दस दफा झाड़ा परंतु रुपया हो तब तो मिले.अब मेरे सम्मुख मात्र दो प्रश्न खड़े थे,या तो बनिया की दुकान पर खुद को गिरवी रख दूं,या फिर बिटिया को जिंदा लील जाऊं! दोनों प्रश्न का उत्तर देना बड़ा दुष्कर मालूम पड़ रहा था.सुमित्रा(पत्नी)–जिससे मेरी बिल्कुल नहीं पड़ती थी आज वही मेरे लिए फरिश्ता बनकर सम्मुख खड़ी हो गई।

सुमित्रा– लो जी बीस रुपया है,जाकर सुनैना की फरियाद पूरी करो! शायद बिटिया के सिर पर हाथ रखकर सौगंध ना खाया होता,तो सुमित्रा फरिश्ता क्या?दुश्मन भी बनकर मेरे सम्मुख ना खड़ी होती!और खड़ी भी क्यों होती?देखकर जलता था जो उसे। जिस प्रकार आफताब के निकलते ही कलियां खुशी के मारे झूम उठती है,उसी प्रकार पैसा पाते ही मेरा उन्माद बस में ना रहा।घंटों से मन में ठहरा शोक इतनी तीव्रता से उड़कर चला जाएगा,मैं सोचा नहीं था।

गुमान से–सुनैना चलो आज तुम्हें दालमोट खिलाता हूं! सुनते ही झट से खटिया से कूद पड़ी,और मेरी ऊंली पकड़े आठ वर्ष की सुनैना सहसा बोल उठी चलो बाबू।

रज्जू(बनिया),अरे!ओ रज्जू मेरी बिटिया को दालमोट दो फौरन.रज्जू(पीछे मुड़ते ही)–अरे!बेटा सुनैना कहां थी तुम इतने दिन तक?सुनैना(तोतली आवाज में)–घर पर चाचू।

रज्जू–तो आज दालमोट खाने का मन है।

सुनैना–हां चाचू!

इतना कहते ही रज्जू ऐसा सुनैना को गोद में उठाकर पांव की मिट्टी झाड़ने लगा जैसे उसी की दुहिता हो, बड़ा स्नेह करता है रज्जू बेटियों से,परंतु ना जाने विधाता किस बात से रूठा है,जो जन्मते ही बिटिया उसके यहां कितकारी भरने के बजाय मौत की नींद सो जाती है!सुनैना का गाल पोछ कर स्नेह का चुंबन देते हुए–रो रही थी क्या बेटा?

सुनैना(सिर हिलाते हुए)– हूं, हूं!

बताओ दालमोट के खातिर इतना रोना पागल लड़की। एक हाथ में बिस्किट का पैकेट और दूसरे में दालमोट का पैकेट थामे,रज्जू की गोद से उतर कर चलो बाबू, मिल गया!चल रहा हूं पैसा तो दे दूं रज्जू को.रज्जू–अरे विश्वनाथ कैसी बात कर रहे हो सुनैना को मैं तुम्हारी बिटिया नहीं,जो कुछ भी उसके हाथों पर थमाया है उसे अपनी दुहिता समझकर थमाया है।

रज्जू भरे मन से–सुनैना को अपनी बिटिया कहने का हक गया बैठूंगा,अगर तुमसे चवन्नी भी ले लिया तो! इतना कहने के बावजूद भी मैं वहीं खड़ा रहा पैसा देने के वास्ते,परंतु वह सहसा कह उठा अगर यहां खड़े- खड़े दो चार वर्ष बिता दोगे तो भी मैं तुमसे हाथ बढ़ाकर पैसा रखने को नहीं कहूंगा.बिटिया को उंगली थमाया और चलते-चलते.सुनो रज्जू,आज के बाद तुम्हारी दुकान पर नहीं आऊंगा.रज्जू(कर्कश स्वर में)– मत आना,विश्वेश्वर मत आना।

चलो बेटा गोदी से नीचे आओ, सुनैना जैसे ही अपना पांव नीचे रखी खाट गिरा कर उस पर बिउते हुए, अब कुछ और तो नहीं चाहिए बिटिया, सुनैना(तोतली आवाज में)– नहीं बाबू अब हम खुश हैं.

अचानक स्मरण हुआ मैं जेब में सौ रुपया रखा था परंतु कहां गया कुछ समझ नहीं आता,सिर पर हाथ रखकर हाय !राम मेरा सौ रुपया, इस हाय !राम में इतनी करुण वेदना थी जिसे सुनकर हमें संपूर्ण विश्वास है ऊपर वाला भी दहल गया होगा.हमें तो यही लगता है जरूर सौ रुपया रज्जू के ही हाथ लगा है,तभी तो मुझसे एक रुपया नहीं लिया.नहीं तो आजकल के बनिया भला पैसा नहीं लेंगे!पागलों के भांति बिना पलक झपकाए यह निहारता गया, ताकि जहां भी गिरा हो मिल जाए!तकरीबन सैकड़ों दफा मोड़ना कर डाला जिस रास्ते से आ गया था,उसी सौ रुपया के करतन,परंतु हर बार निराशा ही हाथ लगी, रोते हुए–सुनैना को गुड़िया भी खरीद देता तो भी कम से कम पैसा सूल हो जाता,पर कैसे खरीदाता?पैसा जाना था जो। चेहरे पर जैसे दो चार जूता कोई मार दे,उसी प्रकार लज्जित निराश भाव से अपना सा मुंह लेकर चला आ रहा था.जैसे ही घर की दहलीज पर पांव रखा वैसे ही सुनैना सौ रुपया मुट्ठी में दाबे हमारी ओर चली आ रही थी,दहलीज पर खड़ा देख सुनैना(बड़े ही प्रसन्न मन से)–बाबू आज मैं सौ रुपया पाई,मैं सहसा पूछ उठा कहां मिला बिटिया,सुनैना–आपकी पुरानी वाली कमीज में।कमीज सुनते ही स्मरण हो गया पैसा तो घर में ही रखा था,और मैं कतुषित मन से ना जाने क्या-क्या सोच डाला,पागलों की तरह न जाने कहां-कहां घूम आया.सुनैना को समझाते हुए–अरे!बेटा यह बहुत बड़ी रकम है इसे मुझे दे दो,सुनैना(सिर हिलाते हुए)–नहीं बाबू जी चाहे छोटी रकम हो या बड़ी मैं नहीं दे सकती.अरे!दे दो खेतों के लिए खाद लानी है,सुनैना नहीं नहीं आप दूसरे पैसे का लाइएगा, मन तो हुआ डपट कर छीन लूं परंतु उस पैसे पर सही मायने में देखा जाए तो मेरा कोई अधिकार नहीं है,मैं तो उसे गिरा समझ कर संतोष कर लिया हूं।

सुनैना के बार-बार नकारने पर मैं उस रकम को उसके हाथ से छीनना उचित न समझा,÷अब आप यू कह लीजिए इतनी बड़ी रकम मैंने उसी के हवाले कर दी- कुछ सोच ही रहा था तभी-तमाम खिलौना लिए हुए बिसाती रास्ते से गुजरा,आकस्मिक यादं आया सुनैना को गुड़िया चाहिए था,बिसाती को आवाज देते हुए–अरे!वो बिसाती रुक जा थोड़ा,बिटिया को कुछ लेना है, सुनते ही बिसाती वहां ठहर गया.तीव्र ध्वनि से– सुनैना तुझे गुड़िया चाहिए थी ना,तो जाकर ले लो वो बिसाती आया है,इतना सुनते ही सुनैना बिसाती के निकट जाकर एक हाथ में गुड़िया और दूसरे हाथ में बची रकम थामें,गुड़िया के बदन पर चुंबन लेते हुए आई,और मेरे गले से लिपट कर वो उस प्रकार किलकारी से हंसी,जिसका दर्शन आज के पूर्व मैं कभी नहीं किया था। मेरा गाल एक हाथ से नोचते हुए, शेष बचा साठ रुपया जेब में सहसा डाल कर बोल उठी- बाबूजी इतने में खाद तो मिल जाएगी ना।

कहीं आप नकचढ़ी तो नहीं ?

बात-बात पर आप दूसरों को नीचा दिखाने पर तुल जाती हैं। जाने-अनजाने किसी चीज की बुराई कर उस व्यक्ति को लज्जित कर देती हैं, जो वह चीज खासतौर पर आपके लिए लाया था। सहेलियाँ हों, सहकर्मी या रिश्तेदार आपकी नाक हमेशा उनके सामने चढ़ी ही रहती है... संभल जाइए, यदि आप ऐसी हैं तो... वरना ये नकचढ़ापन आपको ले डूबेगा।

नकचढ़े लोग मुख्य रूप से दो किस्म के होते हैं। एक जिनमें श्रेष्ठता का प्राकृतिक बोध होता है। चाहे वह बौद्धिक क्षमता के कारण हो या सामाजिक व आर्थिक हैसियत की वजह से वहाँ शारीरिक क्षमता के कारण भी व्यक्ति अभिमानी हो सकता है। लेकिन एक व्यक्ति उस समय अपेक्षित व्यवहार को सीमा लाँघ जाता है जब वह अपना नकचढ़ापन उन लोगों के सामने प्रदर्शित करता है जिन्हें वह अपने सामने तुच्छ समझता है। एक रईस व्यक्ति जीवन की अच्छी चीजों का आनंद उठाता है, लेकिन एक नकचढ़ा व्यक्ति यह देखकर खुश होता है कि दूसरों के पास ऐश करने के लिए उस जैसी दौलत नहीं है। ऐसे लोग अक्सर अपने से कम सामाजिक हैसियत वालों को अपमानित करने के प्रयास करते रहते हैं।

दूसरे किस्म के नकचढ़े वे होते हैं जिनके पास अपने चुने हुए क्षेत्र में महारत तो हासिल नहीं होती लेकिन अपने रखरखाव या ज्ञान से दूसरों को अपमानित करने का प्रयास वे जरूर करते हैं। यह जरूरी नहीं है कि किसी नकचढ़े व्यक्ति को यह एहसास भी हो कि वह नकचढ़ा या घमंडी है। लेकिन दूसरे लोग उसे फौरन ही समझ जाते हैं। दरअसल, नकचढ़ेपन का मूल तत्व यह है कि इसका शिकार व्यक्ति दूसरे लोगों को प्रभावित करने का प्रयास करता है। वैसे हर नकचढ़ा व्यक्ति स्वभाव से बुरा नहीं होता। कुछ तो फैशन की वजह से ऐसे हो जाते हैं, और कुछ सामाजिक परिस्थितियों के कारण। इसलिए अगर थोड़ा-सा प्रयास करके किसी के नकचढ़ेपन को दूर किया जा सकता है तो इसमें कोई हर्ज नहीं है।

गौरतलब है कि 19वीं शताब्दी से पहले स्नॉब या नकचढ़ा शब्द अँगरेजी में मौजूद नहीं था। इससे मालूम होता है कि पहले लोग बहुत सादे थे और नकचढ़ा होना विशिष्ट आधुनिक बीमारी है बल्कि लोकतंत्र की बाई प्रोडक्ट। ज्यादातर अजीबो गरीब बर्ताव बदलते माहौल के कारण उपजा हो रहे हैं। जो सांस्कृतिक परिवर्तन हो रहा है उसके कारण नकचढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है।

इसमें कोई शक नहीं है कि नकचढ़ा होना और दूसरों को अपने सामने तुच्छ समझना बुरी आदत है, लेकिन सवाल यह है कि इससे छुटकारा कैसे पाया जाए इस संदर्भ में विशेषज्ञों के निम्न सुझाव हैं-

- जीवन की इस तेज रफ्तारी में हम दूसरों के प्रति दयालु होना अक्सर भूल जाते हैं। इसलिए स्नॉब होने से बचने का मुख्य तरीका यह है कि दूसरों को अपनी बराबर का समझें, और उन्हें सम्मान दें।
- दूसरों के साथ वैसा व्यवहार करें, जैसा कि आप चाहती हैं कि वे आपके साथ करें। इसलिए अपने आपको दूसरों के जूतों में रखकर देखने की कोशिश करें कि जब आप उनको अपमानित करती हैं तो वे कैसा महसूस करते हैं।
- कम्युनिकेशन में दक्षता हासिल करें, ताकि अपने इर्द-गिर्द वाले नकचढ़े बर्ताव से बच सकें।
- अपने विचारों और जीवन शैली में अधिक क्रिएटिव बनें। लोगों से संपर्क करना न छोड़ें।
- अपनी निजी स्पेस को अपनी स्नॉब स्पेस न बनाएँ और उससे बाहर निकलें।
- आप जो हैं उसमें विश्वास करें।
- आपके पास जो कुछ है या जो कुछ आपने हासिल किया है उसे अपने लिए पर्याप्त समझें। जीवन में आपकी उपलब्धियों का कोई विकल्प नहीं है।
- किसी का अपमान न करें। अपने से बड़े या छोटे सभी को सम्मान दें। ध्यान रहे कि जो पेड़ फलों से लदा होता है उसकी ही शाखें झुकी होती हैं और इसके बावजूद सभी उसी को उपलब्धि की नजर से देखते हैं। इसलिए स्नॉब न बनें, अपने नखरे और नकचढ़ेपन को ताक पर रखकर इंसान बनने का प्रयास करें।

स्पेशल मेंगो रोल

सामग्री : 2 लीटर दूध (छैना बनाने के लिए), 500 ग्राम आम, 250 ग्राम शक्कर का बूरा, 3-4 इलायची पिसी हुई, 100 ग्राम खोपरे का बूरा, 1 नींबू।

विधि : दूध को तपेली में लेकर आँच पर रखें। उबाल आने पर नींबू का रस डालें। जब दूध फट जाए तो उसका पानी छानकर निकाल दें। छैने को कपड़े में बाँधकर आधे घंटे के लिए लटका दें।

अब छैने को थाली में लेकर हाथ से मसल-मसल कर एकसार कर लें। अब इसमें शक्कर का बूरा व इलायची, मिलाकर अच्छी तरह मलें। आम को छीलकर उसके पतले-पतले टुकड़े काटें।

अब एक मोटी पॉलिथीन का टुकड़ा लेकर छैने को उस पर पतला फैलाएँ। उस पर आम के टुकड़े फैलाएँ। छैने को एक किनारे से रोल करें। जब रोल पूरा हो जाए तब पॉलिथीन के टुकड़े को बाँधकर फ्रिजर में रख दें. कड़ा होने पर निकालें।

अब आम रोल को खोपरे के बूरे में लपेटकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े काटकर सर्व करें।

कुछ टिप्स काम के

सौंदर्यवर्धक ब्यूटी टिप्स

- आधे कटे नीबू पर थोड़ी-थोड़ी सी शक्कर बुरककर इससे कोहनी, गर्दन तथा हाथों को हल्के-हल्के रगड़ें। इससे न केवल जमा हुआ मैल निकल जाएगा बल्कि त्वचा बेहद मुलायम हो जाएगी। साथ ही 'सन टैनिंग' से भी छुटकारा मिलेगा।
- कच्चे आलू को छीलकर उसे किस लें या कूट लें और इसे काली पड़ रही त्वचा पर लगाएँ। त्वचा मुलायम होगी तथा साफ भी हो जाएगी।
- मलाई तथा गुलाब जल को मिलाकर हल्के हाथों से मसाज करते हुए त्वचा पर लगाएँ। ये त्वचा को चमकदार तथा नम बनाने में मदद करेगा।
- दूध और शहद मिलाकर धीरे-धीरे गर्दन, हाथ व पैरों की मालिश करें। इससे स्किन सॉफ्ट बनेगी।
- पपीते के गूदे को मसलकर आप फेस पैक बना सकती हैं साथ ही इसे त्वचा पर मलने से जमा हुए मैल से भी छुटकारा पा सकती हैं।

क्या यह कार्टून बिगाड़ रहा था बच्चों को ?

'शिन्चन-शिन्चन..प्यारा-प्यारा...पर है कितना क्यूट!' हंगामा चैनल पर बजता ये गीत अब थम चुका है। अंततः केंद्र सरकार ने 'शिन्चन' धारावाहिक के प्रसारण पर रोक लगा ही दी। कारण बनी 'शिन्चन' की बदतमीजी और कई बेहूदा हरकतें। शिन्चन हंगामा चैनल पर आने वाला एक कार्टून शो था। कई माता-पिता का मानना था कि इस शो को देखने से बच्चे बिगड़ रहे हैं। भला हो उन माँ-बाप का, कम से कम इसी बहाने उन्होंने बच्चों की सुध लेने की तो सोची।

शिन्चन न केवल शरारतों का पुतला है बल्कि कई बार वह अपने मम्मी-पापा के अलावा अन्य लोगों से भी अशिष्टता से पेश आता है और बदले में उसकी माँ के हाथ हथौड़ों की तरह उसके सिर पर पड़ते हैं और उसके सिर पर 2-3 'गुम्मे' उचके हुए दिखाई देते हैं। वाकई बदतमीजी की हद है। लेकिन क्या उस समय असल समाज के माता-पिता को यह याद नहीं आया होगा कि उनके बच्चे कई बार बाहर जाकर दूसरों के घर का सामान अनावश्यक रूप से छूते हैं, तोड़-फोड़ भी करते हैं, अपने ही घर में माँ या पिता से लाड़-लाड़ में अपशब्द कह देते हैं, स्कूल से दूसरे बच्चों की चीजें खेल-खेल में चुरा लाते हैं या फिर माता-पिता के कहने पर रटा हुआ 'इसक कमीना या भूतनी के... (माफ कीजिएगा पर जरूरी है)' जैसे गाने मेहमानों को गाकर सुनाते हैं। तब शायद मॉडर्न तथा स्मार्ट कहकर उन्हें शाबासी दी जाती है। दूसरी बात, क्या इससे यह शिक्षा भी (माँ-बाप) को मिलती है कि बदमाशी करने पर बच्चों को पीटना ही उन्हें सुधारने का एकमात्र हल है?

शायद भौतिकता और 'पश्चिमता' की दौड़ में डूबे हम इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि आज बच्चे वैसे ही प्राकृतिक बचपन से परे होते जा रहे हैं। मेरे पड़ोस में रहने वाली एक 7 वर्षीय बच्ची के संवादों पर जरा गौर कीजिए- 'मैं तो बड़ी होकर शादी करूँगी न तो अपनी सास को जहर दे दूँगी। ये सासें जान की दुश्मन होती हैं। हमेशा बहुओं को सताती रहती हैं।' उस बच्ची का तो नहीं मालूम लेकिन उसके घर के बाकी लोग जरूर 'ककक...' वाले सारे धारावाहिक बिना चूके देखते हैं। एक और 10 वर्ष के बच्चे की बातें सुनिए जिसके घर में सिर्फ दूरदर्शन आता है और वह भी अक्सर पढ़ाई के नाम पर देखने नहीं दिया जाता- 'यार आज बॉस को क्या (टूँ...टूँ...टूँ...) बनाया मेरे पापा ने। मालूम है मेरे पापा जीनियस हैं, वो घर पर होते हैं न तो भी ऑफिस में मोबाइल पर कहते हैं... सर बस रास्ते में ही हूँ..।' बड़ी-छोटी स्क्रीन जब बड़ों को हब्बू कपड़ों, हेयर स्टाइल और लाइफ स्टाइल अपनाने को प्रेरित कर देती है तो जाहिर है बच्चों पर तो यह ज्यादा असर करेगी ही। बच्चे इसे देखकर बारहवीं मंजिल से कूद भी पड़ते हैं और सीर ऊर्जा वाली कार भी बनाना सीखते हैं। यह बड़ों पर निर्भर करता है कि वे उन्हें क्या सीखने वाला वातावरण प्रदान करते हैं।

यह सही है कि बच्चे टीवी पर क्या देख रहे हैं या वे क्या पढ़ रहे हैं, इस बात पर माता-पिता, शिक्षकों तथा अन्य बड़े व समझदार लोगों की निगाह होनी जरूरी है। इसका यह मतलब नहीं कि बेवजह बच्चों के मन में 'ये गलत है.. ये गंदा है...' कहकर उस चीज के प्रति उत्सुकता या नफरत पैदा की जाए। लेकिन यह जरूरी है कि उनके साथ मित्रवत व्यवहार कर उन्हें खुली मानसिकता के साथ स्वस्थ चीजें पढ़ने और देखने के लिए प्रेरित किया जाए। सोचने वाली बात यह है कि हमारे देश में बच्चों के मनोरंजन के नाम पर आखिर कितनी फिल्में, किताबें या कार्यक्रम बनाए जाते हैं? बच्चों के मनोरंजन के नाम पर अधिकांश चीजें आयातित हैं, क्योंकि 'हिन्दी' जैसी 'मिडिल क्लास' बेचारी भाषा के नाम पर जो सामग्री मौजूद थी उसे तो हम कब का बिसरा चुके हैं। हमने बच्चों की अच्छी व सतरीय किताबों के बंद होने का विरोध नहीं किया, हम बच्चों के लिए अच्छी बनी फिल्मों का बहुत उत्साह से स्वागत नहीं करते, ऐसे कितने बच्चे हैं जो आज घोड़ा-बादाम छाई, नदी-पहाड़, विष-अमृत, पकड़मपाटी, सिठोलिया, लंगड़ी जैसे खेल खेलते हैं? पहले तो उन विचारों को भारी-भरकम बस्ते के बोझ से ही फुर्सत नहीं मिलती, फिर मन बहलाने को उनके पास बड़े-बड़े नामों वाले वीडियो गेम्स जरूर हैं और कम्प्यूटर स्क्रीन जरूर है।

अब बच्चे मासूमियत भरी शैतानियाँ कम करते हैं, बड़ों जैसे 'कांड' ज्यादा करते हैं। सोचना हमें है कि हम उन्हें क्या दें? क्या एक कार्टून उन्हें वाकई बिगाड़ सकता है और क्या उस पर लगी पाबंदी सारे बच्चों को सुधार सकती है? अगर हाँ, तो मैं भी शिन्चन के विरोध में हूँ।

अपने मोटापे को रोकें

सुंदर-छरहरी काया, सुडौल कमर, भला किसे अच्छी नहीं लगती। लेकिन इसके लिए प्रयत्न आवश्यक है। व्यायाम, शारीरिक श्रम व जिव्हा पर नियंत्रण रखकर हम काफी हद तक मोटापे को रोक सकते हैं।

मोटापे के संदर्भ में कुछ ध्यान रखने योग्य बातें निम्न हैं :

नियमित व्यायाम, खेलकूद, तेज चाल से घूमना, शरीर के आकार व वजन को संतुलित रखता है। खेलकूद व व्यायाम का पर्याय शारीरिक श्रम है। घरेलू कार्य- पोंछा लगाना, सफाई करना, कपड़े धोना आदि से पर्याप्त श्रम हो जाता है और चर्बी नहीं चढ़ने पाती।

व्यापार, दफ्तर अथवा घरेलू कार्यों से निपटने के बाद बिस्तर से न चिपकें। हालाँकि सोना, आराम करना अच्छा लगता है। लेकिन कुछ दिनों बाद ही इसके दुष्परिणाम सामने आने लगते हैं। अपने खाली समय में बुनाई, कढ़ाई, पेंटिंग, लेखन या अन्य रचनात्मक कार्य करें। इससे रचनात्मकता में वृद्धि के साथ लोगों में मोटापा भी नहीं बढ़ेगा।

कई लोगों की आदत दिनभर कुछ न कुछ खाने की होती है। फुर्सत में बैठे हैं तो खाना, टी.वी. देखते देखते खाना। कुछ व्यक्ति दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने अथवा अपनी कुंठा को दूर करने के लिए भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं। वजह चाहे जो कुछ हो, दिनभर खाने से चर्बी तो बढ़ती ही है, चयापचय की क्रिया भी शिथिल होती है।

नजदीक का फासला पैदल ही तय करें। चंद कदमों के लिए वाहन का प्रयोग न करें। पैदल चलने से व्यायाम तो होगा ही कभी पैदल चलने का मौका आने पर दिक्कत महसूस नहीं होगी।

अच्छी सेहत के आसान नुस्खे

- मूली के तीन-चार पत्ते से खाने से हिचकी दूर होती है।
- केले ज्यादा खा लिए हों तो एक इलायची चबा लें, केला हजम हो जाएगा।
- बदन में थकावट का दर्द होने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर गुनगुना कर लें व पूरे बदन पर मालिश करके गर्म पानी से नहा लें। इससे राहत मिलेगी।
- जी मिचला रहा हो और उल्टी हो रही हो तो 4-5 लौंग, एक धम्मच चीनी में बारीक पीसकर चुटकी-चुटकी भर जीभ पर रखकर चाटने से आराम मिलता है।
- मूंग की दाल रात को भिगोकर सुबह उसमें 2 लौंग डालकर बनाया जाए तो ज्यादा पाचक होती है व गैस भी नहीं बनती।
- मेथी को अजवायन के संग बराबर मात्रा में लेकर पीस लें व खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ फाँक लें। गैस-अपच नहीं होगी और कब्ज भी नहीं रहेगा।
- साबुत काली मिर्च व मिश्री चबाने से गले की खराश तत्काल दूर हो जाती है।

हेल्थ प्लस

रोगों के मददगार फ्रूट ज्यूस

फलों के ज्यूस के सेवन से अनेक हठीले रोगों का अंत होता है। साथ ही ये टॉनिक का काम कर शरीर को ऊर्जावान बनाकर स्फूर्ति व जोश से भर देते हैं।

आइए जानें कैसे :

रोग एवं रस

- **एनीमिया** - पालक, नीबू, स्ट्राबेरी, अंगूर, चुकंदर
- **ब्रॉंकाइटिस**- अनन्नास, गाजर, टमाटर, प्याज, पालक
- **न्यूराइटिस**- संतरा, सेब, गाजर, अनन्नास, चुकंदर
- **मुँहासे**- अंगूर, टमाटर, खीरा, पालक, गाजर
- **एसिडिटी**- नारंगी, अंगूर, नीबू, गाजर, पालक
- **जोड़ों की सूजन**- सेब, नीबू , अंगूर, ककड़ी, आलू, पालक, गाजर
- **दमा**- नीबू, गाजर, मूली, अनन्नास
- **सर्दी-जुकाम**- संतरा,अनन्नास, गाजर, पालक व प्याज
- **साइनस**- टमाटर, गाजर, मूली व प्याज
- **कब्जियत**- नाशपाती, अंगूर, पालक, गाजर, सेब
- **डायबिटीस**- संतरा, नीबू, पालक
- **हाई ब्लड प्रेशर**- अंगूर, संतरा, गाजर, चुकंदर, खीरा
- **अनिद्रा**- सेब, अंगूर, नीबू, गाजर
- **मोटापा**- अंगूर, संतरा, चेरी, अनन्नास, फूलगोभी
- **गठिया**- नीबू, टमाटर, आलू, पालक, अंगूर, संतरा, खीरा
- **टांसिल्स**- गाजर, पालक, नारंगी, नीबू, अनन्नास

एलोपैथी दवाएं जरूरी है जानकारी

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में कभी, किसी न किसी रूप में औषधि प्रयोग अवश्य करता है तथा यह सोचने पर विवश होता है कि आखिर दवाएं रोग को ठीक कैसे कर देती हैं...

अनादिकाल से ही मानव तरह-तरह के रोगों से जूझता रहा है। स्वास्थ्य को समुन्नत करने हेतु वह जड़ी-बूटियों, जीव-जंतुओं तथा खनिज पदार्थों का प्रयोग करता रहा है। विज्ञान तथा तकनीकी विकास के पश्चात् दवाओं के निर्माण तथा पैकिंग का स्वरूप भले ही बदल गया हो, फिर भी दवा ग्रहण करने तथा उसके द्वारा शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव ज्यों के त्यों हैं। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में कभी न कभी, किसी न किसी रूप में औषधि प्रयोग अवश्य करता है तथा यह सोचने पर विवश होता है कि आखिर दवाएं रोग को ठीक कैसे कर देती हैं?

यद्यपि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, एलोपैथी सभी चिकित्सा पद्धतियों में शरीर पर औषधि की प्रभाव प्रक्रिया कमोवेश एक सी ही है तथापि यहां हम एलोपैथी (अंग्रेजी) दवाओं के प्रभाव के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। औषधि या दवा का तात्पर्य 'ड्रग' से है। मेडिसन तो फिजिशयनों द्वारा पढ़ा जाने वाला विषय होता है।

दवाएं ग्रहण करने के माध्यम

रोग की प्रकृति, संबंधित दवा की उपलब्धता तथा उसकी प्रभाव प्रक्रिया के आधार पर चिकित्सक रोगी को आवश्यकतानुसार गोली, इंजैक्शन या सीरप लेने का निर्देश देता है। ज्यादातर दवाएं गोली, सीरप (घोल), इंजैक्शन तीनों स्वरूपों में उपलब्ध होती हैं। फिर भी बहुत सी ऐसी अंग्रेजी दवाइयां हैं, जो एक ही स्वरूप में उपलब्ध होती हैं। रोगी की अवस्था, आयु, रोग की दशा व दवा के प्रभाव को मद्देनजर रखते हुए निम्न माध्यमों से दवा शरीर में पहुंचाई जाती है:-

मुंह द्वारा

टेबलेट (गोली), कैप्सूल, सीरप (घोल), पाउडर के रूप में दवा मुंह से दी जाती है। कैप्सूल का खोल (कवर) जिलेटिन का बना होता है, जो आमाशय में जाकर पिघल जाता है। पीने वाली दवाइयों के नाम के साथ आप प्रायः लिंक्टस, मिक्सर, इमलसन पढ़ते हैं। लिंक्टस से तात्पर्य खांसी की उस दवा से है, दो प्रायः मीठे घोल में होती है। मिक्सर बहुत सी दवाओं का पानी या अन्य रसायन में घोल होता है। इमलसन में दो घोल होते हैं, जिनमें एक प्रायः गौण हो जाता है। हृदय रोग की दवा जीभ के नीचे रखी जाती है, जो धीरे-धीरे पिघलकर तुरंत असर दिखाती है। इसे 'सब लिंग्वल' माध्यम कहा जाता है।

इंजैक्शन द्वारा

इंजैक्शन और एलोपैथी चिकित्सा पद्धति एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। शरीर में ग्लुकोज पहुंचाने या अन्य दवा शीघ्र देने के लिए इन्ट्रावीनस (आई. वी.) यानी शिराओं के माध्यम से इंजैक्शन लगाया जाता है। शरीर के ऊपरी भाग पर नजर आने वाली नसें (वेन) हृदय की ओर गंदा रक्त ले जाती हैं। इसके विपरीत शरीर के गहरे भागों में स्थित धमनियां (आरटरी) हृदय से रक्त शरीर के शेष भागों तक पहुंचाती हैं। धमनियों में यह रक्त 65 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से बहता है। तभी तो धमनियां तेजी से धड़कती हुई सुनाई देती हैं। आम बोलचाल की भाषा में इन्हें ही 'नाड़ी' कहा जाता है।

इंजैक्शन देने का दूसरा प्रचलित माध्यम है 'इन्ट्रामस्कुलर' यानी मांस में सुई लगाना। प्रायः भुजा के ऊपरी तथा बाहरी हिस्से या कूल्हे के ऊपरी हिस्से पर ही सुई लगाई जाती है। दरअसल इन दोनों जगह मांस के अंदर तंत्रिका (नर्व) कम होती हैं। इंजैक्शन की सुई से यदि कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो जाए तो रोगी के लिए घातक हो सकता है।

दवा असर कैसे दिखाती है?

इंजैक्शन द्वारा प्रविष्ट होने वाली दवाएं सीधे ही रक्त प्रवाह में प्रवेश करती हैं। अतः असर भी शीघ्र तथा व्यापक होता है। मुंह के द्वारा ली जाने वाली दवाएं आमाशय तथा आंतों में भोजन के साथ पचती हैं। आंतें इन दवाओं को पूरी तरह सोख नहीं पाती हैं। यदि पेट खाली हो तो मुंह से ली जाने वाली दवाएं अधिक प्रभाव दिखाती हैं। आंतों के द्वारा सोखी गई दवा 'पोरटल शिरा' के द्वारा यकृत (लिवर) तक जाती है। यदि यकृत की कार्यप्रणाली ठीक न हो तो अधिकांश दवाएं निष्प्रभावी हो जाती हैं। विभिन्न प्रकार के एंजाइम्स दवाओं की रासायनिक क्रियाओं को प्रभावित करते हैं। यकृत से दवा हृदय तक जाती है तथा हृदय पंपिंग क्रिया से रक्त को शरीर की प्रत्येक कोशिका तक भेजता है। रक्त में उपलब्ध प्लाज्मा के साथ दवा पूरे शरीर में भ्रमण करती है। कोशिका के बाहर उपलब्ध बाह्य कोशिका द्रव में अंततः ये दवाएं घुल-मिल जाती हैं और जहां दवा की आवश्यकता हो, वहां अपना प्रभाव दिखा देती हैं।

रोटरी चम्बल की मुहिम 'आओ पेड़ लगाए हम' की सराहना कलेक्टर ने की

नवीन कलेक्ट्रेट में कलेक्टर सहित अधिकारी, कर्मचारियों ने पौधारोपण किया

रोटरी चम्बल द्वारा कलेक्टर का कोरोना योद्धा के रूप में किया सम्मान

मुरैना। पर्यावरण के लिये हम जितने चिंतित हों उतना ही कम है, हमे पर्यावरण सन्तुलन के लिये बड़ी संख्या में पेड़ लगाने की आवश्यकता है। आवश्यकता के अनुसार हम सड़क बनाते हैं किंतु सड़क बनाते समय बीच-बीच में पेड़ काटने के लिये अनुमति भी हम प्रदान करते हैं, जिसमें पेड़ काटने की अनुमति सशर्त होती है कि जितने पेड़ काटोगे उससे कहीं दुगने पेड़ लगाये जायें तभी हम पर्यावरण को शुद्ध बना सकते हैं। यह बात मंगलवार को न्यू कलेक्ट्रेट भवन परिसर में ''आओ पेड़ लगाएं हम अभियान के तहत'' कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने मुख्य आतिथ्य बतौर कही। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा आओ पेड़ लगाये अभियान की सराहना करते हुये कहा कि बिगड़ते पर्यावरण के लिये बड़ी संख्या में वृक्षारोपण की अत्यन्त आवश्यकता है। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास के द्वारा कोरोना संक्रमण को लेकर किये गए सार्थक प्रयासों के लिए कोरोना योद्धा के रूप में रोटरी क्लब चम्बल के द्वारा सम्मनित भी किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं कलेक्ट्रेट परिसर के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने नवीन कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम को संबंधित करते हुये कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि रोटरी क्लब के पदाधिकारियों द्वारा यूं तो नये नवाचार आये दिन जिले में किये जा रहे हैं। कोरोना काल में भी रोटरी द्वारा जिला प्रशासन का समय-समय पर सहयोग किया। जिसमें कोरोना योद्धाओं को पीपी किट से लेकर ग्लव्स, खाद्यान्न सामग्री आदि का वितरण किया। कलेक्टर ने कहा कि शहर की ग्वालियर, मुरैना रोड़ पर शहीद स्मारक शहीदों की याद में तैयार कराया गया है। रोटरी क्लब चम्बल की मुहिम आओ पेड़ लगाएं हम के तहत आज नई कलेक्ट्रेट परिसर में एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर तकरीबन 100 पौधे लगाए गए। यह पौधे कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ रोटरी क्लब चम्बल के सदस्यों ने लगाए। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने रोटरी क्लब द्वारा चलाई जा रही मुहिम आओ पेड़ लगाएं हम की बहुत सराहना की गई। क्लब के चार्टर प्रेजिडेंट श्री रवि गुप्ता ने बताया कि आओ पेड़ लगाएं हम मुहिम के तहत क्लब द्वारा जहां भी पेड़ लगाए गए हैं, वो सब ऐसे स्थान चिन्हित करके लगाए गए हैं जो चारों ओर से सुरक्षित हैं। इसी वजह से कलेक्ट्रेट परिसर में भी पेड़ लगाने के प्रयास किये हैं। इससे पेड़ो की देखभाल तो होगी ही साथ पेड़ बड़े होकर परिसर को खूबसूरत भी बनाया जा सकेगा। मौके पर रोटरी क्लब चम्बल के द्वारा कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास के द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में किये गए बेहतर प्रयासों लिए कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित भी किया गया।

नवीन कलेक्ट्रेट के सभी निर्माण कार्य 15 अगस्त तक पूर्ण करें - कलेक्टर

मुरैना। नवीन कलेक्ट्रेट भवन लगभग पूर्णतः की ओर है, जिसमें समस्त विभागों को कक्षों का आवंटन भी कर दिया गया है। समस्त विभाग अपने-अपने कक्षों की चाबी प्राप्त कर कार्यालय संबंधी फाइल, कुर्सी-टेबल आदि शिफ्ट करें। इसके साथ ही निर्माण एजेन्सी को निर्देश दिये कि छुट-पुट निर्माण कार्यो को 15 अगस्त तक पूर्ण करायें। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने मंगलवार को नवीन कलेक्ट्रेट भवन का अवलोकन करते समय निर्माण एजेन्सी को दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री एसके मिश्रा, एसडीएम मुरैना श्री आरएस बाकना सहित अन्य संबंधित विभागों के जिलाधिकारी एवं अधीनस्थ कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि कुछ समय बाद नवीन कलेक्ट्रेट भवन का लोकार्पण होना है। इसके बाद संपूर्ण कलेक्ट्रेट की कार्रवाही नवीन कलेक्ट्रेट भवन में प्रारंभ की जायेगी। इसके लिये जिस विभाग को जो कक्ष आवंटन किया गया है, वे विभागों के अधिकारी अपने-अपने ताला-चाबी निर्माण एजेन्सी से प्राप्त कर लें, जिसमें टयूबलाइट, फर्नीचर आदि लगाकर दिया गया है। इसके बाद भी अपना-अपना अधिपत्य नहीं लिया या कहीं अधिकारियों की लापरवाही रही तो जो अधूरे कार्य कक्ष में रहेंगे, वो संबंधित विभाग स्वयं के विभाग द्वारा वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेन्सी को जो जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसमें भवन, फर्नीचर, लाइट, इंटरनेट आदि की सुविधा प्रदान कर दी गई है। इसके अतिरिक्त कोई विभाग और कोई सेवा लेना चाहते है तो वह अपनी विभागीय निधि से शीघ्र करायें।

जिले में अब तक 342 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। जिले में 1 जून से अभी तक 342 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 31.6 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 373.6 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। जिले की वार्षिक औसत वर्षा 706.9 मिलीमीटर है। जिले में सर्वाधिक 413 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जबकि सबलगढ़ में 413, जौरा में 359 मिलीमीटर, पोरसा 315, अंबाह में 305, कैलारस में सबसे कम 235 और मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। 11 अगस्त को सुबह 8 बजे तक सर्वाधिक 17 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में, पोरसा में 10, जौरा में 9, कैलारस में 8 और 2 मिलीमीटर वर्षा अम्बाह तहसील में दर्ज की गई।

डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष 2020 की परीक्षा एक सितम्बर से होगी शुरू

मुरैना। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल मण्डल द्वारा संचालित सत्र 2019-20 की प्रारंभिक शिक्षा में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम (वण्स्य्यक्ण्) नियमित प्रथम, द्वितीय वर्ष परीक्षा वर्ष 2020 का परीक्षा कार्य को आगामी आदेश तक स्थगित किया गया था। उक्त परीक्षा का परीक्षा कार्यक्रम मण्डल द्वारा जारी किया गया है उक्त परीक्षायें एक सितम्बर 2020 से शुरू होगी परीक्षा 11 सितम्बर 2020 तक प्रथम वर्ष की प्रातः 09 बजे से 12 बजे एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा दोपहर 02 बजे से 05 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेबसाइट ूण्उचदेमण्दपबण्प्द पर देखे जा सकते हैं।

एक मृतक के परिजन को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुरैना। तहसीलदार सबलगढ़ के प्रतिवेदन के आधार पर मृतक लोकेन्द्र उर्फरिंकू पुत्र बैजनाथ जादौन की 23 दिसम्बर 2019 को भूसा भरा मेशी ट्रेक्टर पलटने से मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। मृत्यु के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सबलगढ़ द्वारा 3 जुलाई 2020 को प्रतिवेदन दिया। प्रतिवेदन के आधार पर मृतक की पति पिंकी बेवा लोकेन्द्र सिंह जादौन को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

स्कूली बच्चों की ऑनलाइन चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता 13 अगस्त को

मुरैना। शालेय बच्चों के लिये ष्दंदगी मुक्त मेरा गाँवश्श् विषय पर ऑनलाइन चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता 13 अगस्त को आयोजित की जा रही है। कक्षा-6 से 8वीं के बच्चों के मध्य चित्रकला एवं कक्षा-9 से 12वीं के बच्चों के मध्य निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। जिलों के प्रथम तीन विजेताओं में से उत्कृष्ट विजेताओं का चयन कर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा जायेगा।

खण्ड स्तरीय अधिकारी कोरोना के प्रति कमर कसें - एसडीएम

मुरैना। मुरैना अनुविभाग के अन्तर्गत कोरोना के केस बढ़ना नहीं चाहिये। इसके लिये खण्ड स्तरीय अधिकारी कोरोना के प्रति कमर कसें। यह निर्देश मुरैना एसडीएम श्री आरएस बाकना ने मंगलवार को अपने कक्ष में अधीनस्थ खण्ड स्तर के अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर सीएसपी श्री सुधीर कुशवाह, जनपद सीईओ श्री शेलेन्द्र यादव, तहसीलदार श्री भरत कुमार, बीएमओ, समाजसेवी श्री विपिन गोयल सहित अन्य नायब तहसीलदार उपस्थित थे। एसडीएम मुरैना ने समस्त खण्ड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्रों में सीएमओ एवं अन्य अधिकारी अधिक से अधिक लोगों में मास्क का उपयोग करायें एवं उनको मास्क लगाने के लिये प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कोरोना की संख्या अब बढ़ना नहीं चाहिये। इसको रोकने के लिये प्रभावी कदम उठायें। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त से कोरोना के प्रतिदिन का प्रतिशत निकालें। प्रतिशत घटना चाहिये, बढ़ना नहीं। उन्होंने कहा कि कोरोना फैक्ट्रियों में पाया जाता है तो सैम्पल की कार्रवाही में विलंब नहीं होना चाहिये। इसके लिये तत्काल सभी मजदूरों के सैम्पल की कार्रवाही की जाये। क्रायसिस मैनेजमेन्ट की बैठक समय-समय पर ली जाये।

चंबल संभाग में 1 लाख 20 हजार 550 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण लक्ष्य

मुरैना। चालू खरीफ फसल अभियान के तहत चंबल संभाग में 1 लाख 20 हजार 550 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसमें से अभी तक 76 हजार 969 उर्वरकों का भण्डारण कर 49 हजार 728 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के हवाले से बताया कि चंबल संभाग में खरीफफसल अभियान के तहत इस वर्ष 1 लाख 20 हजार 550 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें से 76 हजार 969 मैट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण कर 49 हजार 728 उर्वरकों का वितरण किसानों को किया गया है। संभाग के मुरैना जिले में 48 हजार 700 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिले में 27 हजार 87 मैट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण कर 19 हजार 526 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया है। इसी प्रकार भिण्ड जिले में 41 हजार 300 मैट्रिक टन उर्वरकों के वितरण लक्ष्य की तुलना में 23 हजार 474 मैट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण कर 11 हजार 332 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया है। श्योपुर जिले में 30 हजार 550 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण लक्ष्य की तुलना में 26 हजार 408 उर्वरकों का भण्डारण कर 18 हजार 870 मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया गया है। चंबल संभाग में 49 हजार 728 वितरण किये गये उर्वरकों में सर्वाधिक 30 हजार 710 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण हुआ है। 16 हजार 496 डी.ए.पी. 2 हजार 166 मैट्रिक टन सुपर फास्फेट, 166 मैट्रिक टन पोटाश और 95-95 मैट्रिक टन काम्प्लेक्स 20:20:0 उर्वरक का वितरण हुआ है।

पेंशनरों की मांगों पर शीघ्र विचार किया जाये- कलेक्टर

मुरैना। पूरे सर्विस सेवाकाल में कठिन परिश्रम करने के बाद सेवा निवृत पेंशनरों की सेवा को नहीं भूलना चाहिये। वे भी हमारे सहपाठी कर्मी रहे है। आगे के समय में सेवानिवृत्त होने के बाद हमको भी उन्हीं के साथ आना है इसलिये पेंशनरों की समस्या हमारी समस्या है। इनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण करना हम सभी अधिकारियों का दायित्व है। यह बात कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने जिला पेंशन फॉर्म की बैठक में मंगलवार को पेंशनर संघ के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुये कही। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी श्री आर.के.एस. तोमर, जिला पेंशन अधिकारी श्री सुनील श्रीवास्तव, लीड बैंक मेनेजर, जिला आयुष अधिकारी सहित जिला पेंशनर एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री बीएल टुण्डेले, वरिष्ठ नागरिक सह पेंशनर संघ मुरैना के डॉ. जेपी कौशिक, श्री शिवकुमार वाजपेयी, ज्ञानशंकर शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पेंशनरों की मांग पर कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय नये भवन में शिफ्ट होने के बाद एसडीएम एवं तहसील कार्यालय से नजदीक एक कक्ष पेंशनरों को ऑफिस के लिये उपलब्ध करा दिया जायेगा। पेंशन फेमेंट ऑर्डर पीपीओ में छंटवे एवं सांतवे वेतनमान के अनुसार पुनर्शोधित पेंशन की प्रविष्ठी पीपीओ पर करने संबंधी निर्देश लीड बैंक प्रबंधक को एसएनबीसी से सुझाव प्राप्त करने के बाद अमल में लायें। पेंशन बचत खाता पासबुक के प्रथम पृष्ठ पर पीपीओ नंबर की प्रविष्टि भी नियमानुसार करने की बात कलेक्टर ने कही। बैठक में सेवानिवृत्त होने की तिथि तक सेवानिवृत्त व्यक्ति को क्लेम दिलाना जिला पेंशन अधिकारी सुनिश्चित करें। इस प्रकार के पालन सभी डीडीओ को करने होंगे। पेंशनरों की मांग पर जिला आयुष औषधालय में स्वास्थ्यवर्धक दवावें बजट प्राप्त होने पर उपलब्ध करायें। सेवा निवृत कर्मचारियों के पेंशनर प्रकरण बनाने में डीडीओ विलंब न करें।

कलेक्टर ने मुरैना अनुविभाग के लिये मॉनिटरिंग समिति का गठन किया

मुरैना। गृह विभाग के आदेशानुसार कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिये अनुविभाग स्तर पर मॉनिटरिंग समिति का गठन करने के निर्देश प्राप्त थे। प्राप्त निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कोरोना वायरस की संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिये अनुविभाग स्तरीय मॉनिटरिंग समिति मुरैना का गठन कर दिया है। जिसमें मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन हेतु अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी मुरैना की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। जिसमें सदस्य के रूप में नगर पुलिस अधीक्षक, जनपद सीईओ, तहसीलदार मुरैना, बानमौर, एसडीओ लोक निर्माण विभाग, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सीएमओ बानमौर, बीईओ, सहायक आपूर्ति अधिकारी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता श्री शशिकान्त गोयल को नियुक्त किया है। इसी प्रकार अनुविभाग जौरा के लिये अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जौरा की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति सीईओ जौरा, पहाडगढ़, तहसीलदार जौरा, सीएमओ जौरा, खण्ड चिकित्सा अधिकारी जौरा, पहाडगढ़, मान्यता प्राप्त भाजपा, कॉंग्रेस, बहुजन समाज पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष जौरा, पहाडगढ़, किराना व्यापारी संघ जौरा श्री भोला पंसारी, मेडीकल एसोसिएशन जौरा अध्यक्ष श्री बीके पाराशर, सर्राफ व्यवसायी जौरा श्री संजीव गर्ग, ऑटो पार्ट्स के व्यवसायी सोनू गर्ग, अभिभाषक जौरा श्री अरविन्द पाराशर, कपड़ा व्यवसायी पंकज गर्ग और व्यवसायी जौरा श्री केदार गोयल को नियुक्त किया है।

जर्मनी में इंटर मिलान के फुटबॉलर रुमेलू लुकाकू यूरोपा लीग फुटबॉल में गोल करते हुए।

गेंदबाजों का भी हौंसला बढ़ाते हैं धोनी - मुरलीधरन

कोलंबो। श्रीलंका के महान स्पिनर रहे मुथैया मुरलीधरन ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर किसी गेंदबाज की अच्छी गेंद पर छक्का पड़ जाए तो धोनी गेंदबाज के लिए भी ताली बजाते हैं। मुरलीधरन ने साल 2007 टी20 विश्व कप को याद करते हुए कहा, धोनी ने तब शानदार कप्तानी कर जीत दर्ज की। उनको पता होता था कि यदि गेंदबाज काम नहीं कर पा रहा है तो वे उस गेंदबाज को स्वयं ही क्षेत्ररक्षण लगाने का अवसर देते थे। उन्होंने कहा, वहीं अगर कोई बल्लेबाज अच्छी गेंद पर छक्का लगा देता था तो वह धोनी गेंदबाज का हौंसला बढ़ाने के लिए ताली बजाते थे। वह गेंदबाज को बताते थे कि यह एक अच्छी गेंद है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बल्लेबाज ने आपको छक्का मारा है क्योंकि बल्लेबाजों में भी बड़े शॉट खेलने की प्रतिभा होती है। इसके साथ ही धोनी गेंदबाज को अकेले बुलाकर बताते थे कि आपको क्या करना है। उन्होंने कहा है, धोनी शांति के साथ सोचने की क्षमता रखते हैं और यही कारण है कि वह इतने अच्छे कप्तान बने। यही धोनी की सफलता का भी राज है।

कोरोना महामारी के बाद हुए पहले टेनिस टूर्नामेंट की विजेता बनी फियोना

पालेर्मो। कोरोना महामारी के बाद हुए पहले आधिकारिक टेनिस टूर्नामेंट में फ्रांस की फियोना फेरो ने जीत दर्ज की है। फियोना ने पालेर्मो लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में एस्टोनिया की एनेट कॉंटावीट को हराकर यह खिताब अपने नाम किया। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी फियोना ने कॉंटावीट को 6-2, 7-5 से हराकर सबको हैरान कर दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी को फाइनल तक के अपने सफर में केवल एक सेट में हार का सामना करना पड़ा। फियोना का यह दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब है। गौरतलब है कि मार्च में कोरोना वायरस के कारण टेनिस स्पर्धाएं निलंबित होने के बाद से ही यह पुरुष और महिला वर्ग का पहला टेनिस टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट में कड़े स्वास्थ्य नियमों का भी पालन किया गया। इस दौरान कोर्ट पर कम 'बॉल किड्स% मौजूद थे इसके अलावा केवल कुछ ही दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति थी। खिलाड़ियों के लिए मैच के बाद हाथ मिलाने पर रोक थी। इस टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और अधिकारियों का हर चार दिन में कोरोना वायरस परीक्षण किया गया था।

बटलर को टीम में बनाये रखें : वॉर्न

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने कहा है कि जोस बटलर एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्हें इंग्लैंड की टेस्ट टीम में स्थायी रुप से रखा जाना चाहिये। पिछले कुछ समय में खराब प्रदर्शन के कारण बटलर को टीम में रखे जाने पर सवाल उठे थे। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में बटलर की विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही थी पर बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को हार से बचाया। खराब विकेटकीपिंग के कारण बटलर की काफी आलोचना हुई थी पर बटलर ने दूसरी पारी में कठिन हालातों में क्रिस वोक्स के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वॉर्न ने कहा, 'बटलर को हमेशा ही टीम में शामिल किया जाना चाहिए। वह एक बहुत अच्छे और विश्वसनीय विकेटकीपर हैं, हालांकि हर खिलाड़ी की जिंदगी में खराब दौर आता है जिससे बटरल भी हाल में गुजरे हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा, 'बटलर को अपनी क्षमताओं, खासकर बल्लेबाजी के कारण, हमेशा आपकी टीम में होना चाहिए। उनकी विकेटकीपिंग भी ठीक है, वह शांत रहते हैं और उनमें टीम का नेतृत्व करने वाले गुण हैं। वह एक संपूर्ण खिलाड़ी की तरह हैं।'वॉर्न ने कहा, 'उन्हें अपने पर भरोसा था कि वह कठिन हालातों से बाहर निकाल सकते हैं और उनकी इस बात ने मुझे खास प्रभावित किया।'

अगले महीने से अभ्यास करेंगे ऑलराउंडर शाकिब

ढाका। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। इसके लिए वह सितंबर से अभ्यास शुरु करेंगे। शाकिब पर आईसीसी के भ्रष्टाचार रोधी नियम के उल्लंघन को देखते हुए दो साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था जो 29 अक्टूबर साल 2020 को समाप्त होगा। शाकिब इस समय अपने परिवार के साथ अमेरिका में हैं और वह अगस्त के अंत में स्वदेश वापसी की योजना बना रहे हैं जिससे वह अभ्यास शिविर में भाग ले सकें। शाकिब के मेंटॉर नजमुल अबेदीन ने कहा, ‡शाकिब अगले महीने अभ्यास के लिए आयेंगे। जहां उनको प्रशिक्षक और ट्रेनर मिलेंगे। हमारे पास ऐसे कोच हैं जो कैम्प में ही रह रहे हैं, इसलिए हम उनके साथ काम कर सकते हैं। शाकिब को हर सुविधा मिलेगी।‡ शाकिब ने अब तक 56 टेस्ट मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने 206 एकदिवसीय और 76 टी-20 मैच भी खेले हैं। पिछले साल इंग्लैंड में हुए विश्व कप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

बांग्लादेश का पूर्व स्पिनर कोरोना पॉजिटिव पाया गया

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन कोरोना वायरस परीक्षण में पॉजिटिव पाने के बाद से ही पृथकवास में चले गये हैं। मुशर्रफ ने बांग्लादेश की ओर से पांच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। कोविड-19 परीक्षण का परिणाम आने के बाद वह अपने घर में ही हैं। उन्होंने कहा, '' मैंने भी कोरोना के कुछ लक्षणों का अनुभव किया और इसके बाद जांच में पॉजिटिव पाया गया। मैं अब तक ठीक हूं और घर में ही पृथकवास से गुजर रहा हूं।'' वहीं मेरी पत्नी और बच्चे हालांकि नेगेटिव पाए गए हैं। उम्मीद है कि वह इस बीमारी से उबरने के बाद इस साल घरेलू सर्किट में वापसी करेंगे। इससे पहले पूर्व कप्तान मशरेफ मुर्तजा और दो अन्य बांग्लादेशी क्रिकेटर नजमुल इस्लाम और नफीस इकबाल भी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे।

मुक्केबाजी शिविर में सात और खिलाड़ियों को शामिल करें : सेंटियागो

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफार्मेंस निदेशक सेंटियागो नीवा ने कहा है कि पटियाला में जारी राष्ट्रीय शिविर में ओलंपिक के लिए सात और मुक्केबाजों को शामिल किया जाना चाहिये। नीवा ने कहा कि शिविर ठीक से चल रहा है और अब इसका विस्तार किया जा सकता है। इससे पहले कोरोना महामारी को देखते हुए राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) पटियाला में लगे इस शिविर में काफी कम खिलाड़ियों को बुलाया गया था। इसमें ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पुरुष मुक्केबाजों और कुछ महिला मुक्केबाजों को ही शामिल किया गया था। नीवा ने कहा, '' हम अगले कुछ सप्ताह में इस सूची में सात और मुक्केबाज, दो कोच और एक सहायक सदस्यों को शामिल करना चाहते हैं।

नोकिया जल्द ला रहा है दो नई किफायती स्मार्ट एचडी टीवी

नई दिल्ली। मोबाइल बनाने वाली मशहूर कंपनी नोकिया भारतीय बाज़ार अपनी दो नई स्मार्ट टीवी उतारने की तैयारी में है। आने वाली ये टीवी 32 इंच और 50 इंच स्क्रीन साइज़ की होगी। रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्च से पहले इन दोनों टीवी को बीआईएस सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर स्पॉट किया गया है। सपोर्टिंग मॉडल नंबर 32टीएएचडीएन के साथ 32 इंच की नोकिया स्मार्ट टीवी फुल एचडी रेजोलूशन के साथ आएगी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंडिया में ये नोकिया की पहली फुल एचडी रेजोलूशन वाली टीवी होगी। वहीं 50 इंच मॉडल 50टीएएचडीएन मॉडल नंबर के साथ यूएचडी रेजोलूशन के साथ आएगी। रिपोर्ट के मुताबिक नोकिया की 32 इंच स्मार्ट टीवी की कीमत 21,999 रुपये और 50 इंच की कीमत 36,999 रुपये हो सकती है।

पोको जल्द ही लाएगी एक नया स्मार्टफोन

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी पोको जल्द ही एक नया स्मार्टफोन लाने जा रही है। कंपनी ने अभी तक इसका नाम तो नहीं बताया, हालांकि इस बात की जानकारी जरूर मिली है कि यह वनप्लस नॉर्ड को टक्कर देगा। वनप्लस नोर्द कंपनी का सबसे सस्ता स्मार्टफोन है। वनप्लस ने इसे पिछले महीने बाजार में उतारा है। फोन में दमदार स्नैपड्रैगन प्रोसेसर, 90एचझे रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले, चार रियर कैमरा और 4115 एमएएच की बैटरी जैसे कई शानदार फीचर दिए गए हैं। दरअसल पोको के ग्लोबल स्पोक्सपर्सन अंगुस केई हो एनजी ने एक ट्वीट किया था। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, %वनप्लस नॉर्ड या... नए पोको का इंतजार?% इसके साथ उन्होंने #पोकोक?मिंगसून का इस्तेमाल किया था। पोको के ऑफिशल अकाउंट से इस ट्वीट पर रिस्लाई भी किया गया, जिससे पुष्टि होती है कि नया डिवाइस जल्द ही बाजार में आ सकता है।

सैमसंग ने साल की दूसरी तिमाही एक बार फिर टॉप पोजिशन हासिल ली

नई दिल्ली। द.कोरियाई कंपनी सैमसंग ने जबर्दस्त परफॉर्मेंस किया है। सैमसंग ने साल की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून तिमाही) में इंडियन मोबाइल मार्केट में एक बार फिर टॉप पोजिशन हासिल कर ली है। यानी, सैमसंग ने इंडियन मोबाइल मार्केट में शाओमी और वीवो को पीछे छोड़ दिया है।इंडियन फीचर फोन+स्मार्टफोन मार्केट में सैमसंग की हिस्सेदारी 24 फीसदी रही है। इसके बाद शाओमी और वीवो रही हैं। हालांकि, शाओमी और वीवो इंडियन मार्केट में केवल स्मार्टफोन बेचती हैं। अगर केवल स्मार्टफोन को देखे तब शाओमी नंबर 1 पोजिशन पर रही है। हालांकि, स्मार्टफोन मार्केट में सैमसंग की पोजिशन काफी मजबूत हुई है। जून को खत्म हुई तिमाही में स्मार्टफोन मार्केट में सैमसंग की हिस्सेदारी 26.3 फीसदी रही है। जबकि इससे पिछली तिमाही में सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी 15.6 फीसदी थी। जून 2020 तिमाही में शाओमी और वीवो की बाजार हिस्सेदारी क्रमश: 29.4 फीसदी और 17.5 फीसदी रही है। साल 2020 की दूसरी तिमाही में शाओमी का ओवरऑल शिपमेंट सालाना आधार पर 48.7 फीसदी घटकर 54 लाख यूनिट्स का रहा है। दूसरी तिमाही में रियलमी चौथे नंबर पर रही और कंपनी ने इस अवधि के दौरान 17.8 लाख डिवाइसेज का शिपमेंट किया। सालाना आधार पर रियलमी के शिपमेंट में 37 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं, ओप्पो का शिपमेंट सालाना आधार पर 51 फीसदी घटकर 17.6 लाख यूनिट का रहा है। आईडीसी का कहना है कि 2020 की दूसरी तिमाही में इंडियन स्मार्टफोन मार्केट में 50.6 फीसदी की तेज गिरावट आई है।

ग्वालियर देहात पुलिस ने रेत माफियाओं के खिलाफकी कार्यवाही

घाटीगांव पुलिस ने चैकिंग के दौरान अवैध रेत से भरा ट्रक किया जप्त

ग्वालियर। मंगलवार को जिला ग्वालियर के देहात क्षेत्र में विगत कई दिनों से अवैध रेत उत्खननध्परिवहनध्भण्डारण की शिकायतें प्राप्त हो रही थी।पुलिस अधीक्षकर?वालियर श्री अमित सांघीके द्वारा जिला ग्वालियर के समस्त राजपत्रित अधिकरियों एवं थाना प्रभारियों की मीटिंग लेकर निर्देशित किया था कि अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जावे।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के पालन मे कार्य करते हुए दिनांक 11.08.2020 थाना प्रभारी घाटीगांव निरी0 अनीता मिश्रा मय थाना स्टॉफ के बासौटा तिराहे पर चैकिंग कर रही थी। तभी उन्हे एक बिना नंबर का ट्रक आता दिखा जिसे चैकिंग पर तैनात बल द्वारा रोक

कर चैक किया जाने पर उसमें रेत भरा होना पाया गया। ट्रक में बैठे 04 लोगों से पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम सुरेश पुत्र बुंदावन रावत निवासी ग्राम निरावली थाना पुरानी छावनीए कृष्ण कुमार पुत्र रविन्द्र गुर्जर उम्र 26 साल निवासी महुआ थाना महुआ जिला मुरैनाए रवि पुत्र राम अख्तायार गुर्जर उम्र 25 साल निवासी जीगंनी थाना माता बसैया जिला मुरैनाए मोनू पुत्र रामबरन गुर्जर उम्र 22 साल निवासी सैथरां बाड़ी थाना अम्बाह जिला मुरैनाबताये। ट्रक में भरी रेत के संबंध मे कागजात मांगने पर उक्र?त व्यक्ति कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होने चंबल नदी से अवैध उत्खनन करके लाना बताया। जिस पर से थाना घाटीगांव मे ट्रक क्रमांक आरजे-जी-.8539 व उसमें बैठे लोंगो के विरूद्ध धारा 379 भादविए 21.4 खनिज विकास विनियमनद्ध अधिनियम 1957ए भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 247.7 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 41.52.27.29 म0प्र0 खनिज अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण अधिनियम 2006 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। सराहनीय भूमिका रू उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी घाटीगांव निरी0 अनीता मिश्राए आर0 पंजाब सिंहए लोकेश शर्माए लोकेश जाटए शैलेन्द्रए आर0 ;चालकद्ध राजवीर की सराहनीय भूमिका रही।

रोट्रेक्ट रीगल के तीन दिवसीय बिजनेस सम्मिट का समापन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)

रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल की आरोहणम् 2.0 वर्चुअल बिजनेस सम्मिट समापन एच.आर. वेबिनार के साथ हुआ तीन दिन तक चले इस सम्मिट मैं विभिन्न क्षेत्रों के वक्ता उपस्थित रहे जिनमें मेनॉजेंग डायरेक्टर कॉलकाता वेंचर्स से अवेलो रॉय

,सहसंस्थापक विट्रीफोंड विनय सिंघल ,एक्स वाइस प्रेसिडेंट कोक इंडिया सुमंता दत्ता , टिंले एच.आर. प्यूमा इंडिया श्रुति मिश्रा ,डिकेथ्लोन के फाइनेंशियल मैनेजर अपूर्व श्रीवास्तव ,संस्थापक क्रियेटिव वेल्थ सतीश कुमार उपस्थित रहे जिनमें वक्ताओं ने एच आर, बिजनेस स्ट्रेजी ,फाइनेंस ,ई.कॉमर्स ,आदि विषयों पर अपना वक्व्य पेश किया अपना वक्व्य पेश करते हुए सभी ने कहा जीवन मैं आने पैशन को फॉलो करें तो सफलता आपके कदम अवश्य चूमेगी कोरोना जैसी महामारी के बाद नौकरियों मैं कई तरह के बदलाव आयेंगे इसके लिए युवा अपने आपको तैयार रखें तकनीकी ज्ञान और सॉफ्ट स्किल्स आज की आवश्यकता है जो हमें अवश्य सीखनी चाहिए तभी हम आज के प्रतिस्पर्धी समय मैं आगे बढ़ पायेंगे क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने बताया रोट्रेक्ट रीगल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर अभियान के तहत यह जागरूकता सम्मिट करायी गयी थी सम्मिट मैं सम्पूर्ण देश से प्रतिभागी शामिल हुए जिससे कि युवा नौकरी मांगने वाले नहीं देने वाले बने सम्मिट का संचालन मानसी चौहान तथा संयोजन सत्यम गर्ग ने तथा आभार क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने किया इस अवसर पर मुख्य रूप से भूपेंद्र राजपूत ,रिद्धि उप्पल ,प्रज्ञा श्रीवास्तव ,आयुषी अग्रवाल ,श्रद्धा सिंरे ,पूनम आदि सभी क्लब सदस्य मौजूद रहे।

रेल से कटकर युवक की मौत

ग्वालियर। शहर में बिरला नगर रेलवे स्टेशन के पास एक युवक की रेल से कटकर मौत हो गई ! पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि बिरला नगर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है सूचना मिलते ही पुलिस तथा जीआरपी मौके पर पहुंच गई! पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लिया उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है सबको पीएम के लिए भेज पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है!

रिश्तेदारों की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटो मोर्फिंग करने वाला वेव डिजाइनर गिरफ्तार

ग्वालियर। 1.*राज्य साइबर पुलिस ग्वालियर की टीम ने आरोपी को पकड़ा रेलवे स्टेशन से 2.राज्य साइबर पुलिस द्वारा तीसरा VPN के माध्यम किया केस सोल्व । आरोपी लगभग एक साल से था फरार दिल्ली, नॉएडा ,फरीदाबाद में काटी फरारी । 3.आरोपी टेक्निकल रूप से है दक्ष आई टी की है विशेष जानकारी 7 4.आईपी बदल कर बनाता था फर्जी आईडी जिससे पुलिस की पकड़ से रह सके दूर । 5.नॉएडा की प्रतिष्ठित विश्व विध्यालय में वेव डिजाइनर । 6.आरोपी के कई ठिकानो पर पुलिस दे रही थी एक साल से दविश । 7.अश्लील चीजे हुई है आरोपी के फोन में बरामद । विशेष पुलिस महानिदेशक श्री राजेंद्र कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री मिलिंद कानस्कर द्वारा अपराधों के तत्काल निराकरण हेतु हाल ही में दिए गए निर्देशों के पालन में की गई कारवाही में पुलिस अधीक्षक राज्य साइबर पुलिस ग्वालियर श्री सुधीर अग्रवाल ने बताया कि फरियादी तेजेंद्र लोधी द्वारा फेसबुक पर रिस्तेदारों के अश्लील फोटो अपलोड एवं भ्रामक

जानकारी फ़ैलाने के सम्बन्ध में एक शिकायती आवेदन पत्र कार्यालय को दिया था जिसके उपरांत मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जाँच हेतु निरीक्षक मुकेश नारोलिया के निर्देशन में एक टीम गठित की गई जिसके उपरांत टीम द्वारा कई प्रकरण के बारीकी से साक्ष्य एकत्रित किये जाँच में यह भी पाया गया कि उक्त फेसबुक आईडी बनाने में अलग अलग आईपी का इस्तेमाल किया गया था जिसमे टेक्निकल रूप से साक्ष्य एकत्रित किये गये तो पाया गया कि उक्त क्राइम नानक चन्द्र लोधी नोयडा उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया जो कि ग्वालियर का ही रहने वाला है जिस पर अपराध क्रमांक 45/20 धारा 66सी , 66 डी , 67 आईटी एक्ट का दर्ज कर विवेचना में लिया गया विवेचना की अग्रिम कार्यवाही में टीम द्वारा आरोपी कई ठिकानो पर दविश दी गई परन्तु आरोपी अपने निवास स्थान से फरार होना पाया गया जिसके उपरांत जानकारी के आधार पर टीम द्वारा नोयडा , दिल्ली , फरीदाबाद में प्राप्त पतो पर दबिश दी गई परन्तु आरोपी अपने सभी स्थानों से फरार होना पाया गया प्रकरण में गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगभग 1 साल से फरार चल रहा था टीम को आरोपी की सूचना मिली कि आरोपी ग्वालियर से दिल्ली फरार होने की फ़िराक में है जिसके उपरांत आज दिनांक को टीम ने बताये गये ठिकाने पर दविश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया जो टीम की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है *उक्त केस के निराकरण में निरीक्षक मुकेश कुमार नारोलिया , उनि मनीष ओझा , उनि शैलेन्द्र राठौर , कोशलेन्द्र शर्मा , प्रधान आर हरनारायण शर्मा , पवन शर्मा , आर. राधा रमन त्रिपाठी , पुष्पेन्द्र यादव , शुभाष आर्य , दीपक माहुने ,दिलीप पचौरी , आर चा मेघश्याम की अहम् भूमिका रही*

ग्वालियर में भारतीय वीर दल के महिला मोर्चा अध्यक्ष हर्षिता सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अभद्रता करने वाले अधिकारी कर्मचारी के दुर्व्यवहार के विरोध में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं जिला निगम आयुक्त कार्यालय का घेराव करके धरना प्रदर्शन किया गया धरना प्रदर्शन के माध्यम से अभद्रता करने वाले अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कराने की मांग की गई एवं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मांग की गई जिला न्यायालय पर निगम आयुक्त महोदय के आदेश से अभद्रता करने वाले कर्मचारी अधिकारी के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया गया और सेवा से तत्काल सस्पेंड किया गया।

40 लीटर कंजर विहस्की सहित तस्कर दबोचा

ग्वालियर । कंजरों से कच्ची शराब लाकर अपने घर से शहर में खपाने वाले एक तस्कर को आबकारी टीम ने गेहाथ दबोच लिया । जानकारी के अनुसार सिविल ड्रेस में आबकारी अमला बृजेश शाक्य नामक इस तस्कर के घर दबिश देने पहुंचा । घर आबकारी टीम ने लोहामंडी की तलाशी के दौरान 40 लीटर कच्ची शराब पाई गई ।वहीं क्षेत्र में किला तलहाटीस्थित पैकिंग की पत्नियां भी मौके पर मिलीं । शराब और पत्नियों को घर में दी दबिश जब्त किया और आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया ।आरोपी को रात में जमानत पर छोड़ा गया । सहायक आबकारी आयुक्त संदीप शर्मा ने वृत्त प्रभारी उप निरीक्षक अपर्णा विश्वकर्मा को निर्देश दिए हैं कि इस प्रकरण की गहन विवेचना करें । यह तस्कर जिन भी अवैध शराब कारोबारियों से कच्ची शराब लेकर आता था , उनका पता किया जाए ।

मंडी अधिकारियों द्वारा रुचि नहीं लिए जाने से व्यवसाई एवं किसान हो रहे हैं परेशान : एमपीसीसीआई

ग्वालियर। केन्द्र सरकार द्वारा देशभर के किसानों एवं व्यवसाईयों के आर्थिक हितों एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए, नवीन मण्डी अधिनियम,2020 लागू किया गया है ।इस नवीन अधिनियम के तहत् मंडी में खरीदी की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है । व्यापारी मंडी के बाहर, कहीं भी किसानों से उपज खरीद सकते हैं । केन्द्र सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने स्वागत् करते हुए, आज केन्द्रीय कृषि मंत्री-नरेन्द्र सिंह तोमर, सांसद-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुख्यमंत्री- शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री- प्रद्युम्न सिंह तोमर, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री- कमल पटेल, सांसद- विवेकनारायण शेजवलकर सहित मुख्य सचिव, म. प्र. शासन एवं प्रमुख सचिव-कृषि कल्याण, म. प्र. शासन को पत्र प्रेषित कर, विभागीय अधिकारियों द्वारा इस नवीन अधिनियम में रुचि नहीं लिए जाने की शिकायत की गई है । एमपीसीसीआई ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि भारत सरकार द्वारा नवीन मंडी अधिनियम के तहत् एक बेहतर नीति देश को दी गई है, लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा इसमें बिल्कुल भी रुचि नहीं ली जा रहीं है, जिसके कारण से व्यापारी और किसान दोनों परेशान हो रहे हैं ।पदाधिकारियों ने पत्र के माध्यम से इस नवीन अधिनियम के संबंध में व्यवसाईयों की जिज्ञासाएं जैसे कि (1) भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र दिनांक 05.06.2020 में प्रकाशित देश के किसानों एवं व्यापारियों के संबंध में अध्यादेश को राज्य में लागू करने के निर्देश दिए गए थे, परन्तु प्रदेश में आज दिनांक तक इसे लागू नहीं किया गया है । इस कारण प्रदेश के किसान एवं व्यापारी उलझन की स्थिति में हैं । (2) मध्य प्रदेश में नये अध्यादेश के लागू होने के बाद मण्डी लायसेंस व मण्डी शुल्क की स्थिति क्या होगी ? इसी तारतम्य में भारत सरकार के अध्यादेश को उत्तरप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 09-06-2020 को प्रदेश में लागू कर दिया गया है आदि का उल्लेख करते हुए, उक्त जिज्ञासा का उत्तर संस्था को उपलब्ध कराए जाने की अपेक्षा की गई है, ताकि व्यापारी बिना डर के व्यापार कर सकें । साथ ही, एक वर्चुल मीटिंग संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव के साथ अथवा अन्य उपयुक्त अधिकारी के साथ शीघ्रातिशीघ्र सुनिश्?चित कराने की माँग भी की गई है, जिससे व्यवसाई उपरोक्त अधिनियम के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं का हल संबंधित अधिकारी से रूबरू होकर प्राप्त कर सकें । चेम्बर ने माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री महोदय सहित प्रदेश सरकार से पुरजोर माँग की है कि भारत सरकार द्वारा लागू किए गए मंडी अधिनियम,2020 के प्रावधानों का लाभ सम्पूर्ण प्रदेश के लाखों-करोड़ों किसानों व व्यवसाईयों को मिल सके ।

ट्रैक्टर खेत में पलटा,युवक की मौत

ग्वालियर । जिले के चौनौर थाना क्षेत्र के ग्राम भोरी के पास धान की रोपनी के लिए खेत पर जाते समय ट्रैक्टर बेकाबू होकर पलट गया।घटना में युवक की दबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उमेश राजपूत (20) निवासी पिपरौआ धान की पौध की रोपनी के लिए खेतों में सघाएं करने के लिए ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे। जैसे ही वह ग्राम भोरी के पास पहुंचे, तभी अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और रोड से उतरकर खेतों में जाकर पलट गया। इससे उमेश उसके नीचे दब गया। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने ट्रैक्टर खिसकाकर उसके बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर मग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है!

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
ग्वालियरफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

Pro- Bipin Singh Tomar
9301759475 9713253992
Mail-Vipintomar172@gmail.com
Somya Advertise & Marketing Service
Boost Your Business In Lockdown
Promote Your Business & Generate Leads
Bulk Sms & Voice call Marketing
Bulk Whatsapp Sender
Digital Marketing
Door To Door Marketing
Flex And Pritning & Printing Media
E. media, FM Redio
Add- Radha Krishna Plaza Near By Police Choki Sabji Mandi Pinto Park Gwalior (M.P.)

स्वामीअधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं वीपु इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक- एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478